मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 2 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 142 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 सहजन के फूलों में नवजीवन का उजास

टैलेंट से सफल अभिनेत्री और गायिका बनीं हैं श्रुति हसान 6

चेन्नई बीच पर बड़ा हादसा

समुद्र में डूबे मर्चेंट नेवी के तीन छात्र, रांची का युवक लापता

संवाददाता

रांची: चेन्नई के समुद्र तट पर बीते रविवार घूमने गए तीन युवकों के साथ बड़ा हादसा हो गया। समुद्र में नहाने के दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए। तेज लहरों की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक अब भी लापता हैं। घटना से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

तीनों युवक समुद्र की लहरों में बह गए: दरअसल, चेन्नई के समुद्र तट पर रविवार को छुट्टी मनाने गए तीन युवक समुद्र में नहाने के दौरान हादसे का शिकार हो गए। तीनों युवक एकेडमी ऑफ मेरीटाइम एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एएमईटी), चेन्नई में नौसेना प्रशिक्षण के लिए चयनित हुए थे। रविवार की छुट्टी मिलने पर तीनों दोस्त समुद्र किनारे घूमने पहुंचे थे। घूमने के दौरान तीनों ने समुद्र में नहाने का फैसला किया। नहाते समय वे धीरे-धीरे गहरे पानी में चले गए। इसी दौरान अचानक तेज लहरें उठीं और तीनों युवक समुद्र की लहरों में बह गए।

कड़ी मशक्कत के बाद एक युवक को बाहर निकाला गया: घटना को देख समुद्र तट पर मौजूद लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद एक युवक को बाहर निकाला गया, जिसकी पहचान तमिलनाडु निवासी मुकेश के रूप में हुई। हालांकि, उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई। मुकेश का शव बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, रांची के तुपुदाना निवासी 20 वर्षीय रितेश प्रजापति और मुंबई निवासी नवल अब भी लापता हैं। चेन्नई पुलिस, गोताखोर और अन्य टीमें लगातार समुद्र में दोनों युवकों की तलाश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है।परिवार और स्थानीय लोग **इस दुखद घटना से गहरे सदमे में हैं:** घटना की सूचना मिलने के बाद रितेश प्रजापति के परिजन चेन्नई के लिए रवाना हो चुके हैं। मर्चेंट नेवी की ओर से भी परिवार को हादसे की जानकारी दी गई है। रितेश प्रजापति पढ़ाई में काफी होनहार था। वह हमेशा अपनी कक्षा में अव्वल रहता था। उसने 10वीं की पढ़ाई ब्रिजफोर्ड स्कूल से और 12वीं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर से पूरी की थी। परिवार और स्थानीय लोग इस दुखद घटना से गहरे सदमे में हैं। 12वीं के बाद रितेश को कई जगहों से नौकरी के ऑफर मिले थे, लेकिन उसका सपना मर्चेंट नेवी में जाने का था। उसी सपने को पूरा करने के लिए वह प्रशिक्षण लेने चेन्नई गया था। दुर्भाग्यवश, प्रशिक्षण के दौरान ही यह हादसा हो गया।

रितेश के पिता कैलाश प्रजापति ऑटो चालक हैं। सीमित आय के बावजूद उन्होंने अपने दोनों बेटों की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। रितेश की मां फुटवियर की दुकान चलाकर परिवार और बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करती थीं। बड़ा भाई रोशन प्रजापति सॉफ्टवेयर और मोबाइल मैकेनिक का काम करता है। जैसे ही रितेश के डूबने की खबर परिवार तक पहुंची, घर में मातम छा गया। पिता कैलाश प्रजापति सदमे में आ गए, वहीं मां दुकान पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। सूचना मिलते ही रिश्तेदार और मोहल्ले के लोग घर पहुंचने लगे। मां के रोने-बिलखने से पूरा मोहल्ला गमगीन हो गया। रितेश से पूरे परिवार को बहुत उम्मीदें थीं। मर्चेंट नेवी में चयन होने पर परिवार को उस पर गर्व था। फिलहाल बड़ा भाई और अन्य परिजन विमान से चेन्नई के लिए रवाना हो चुके हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना का निधन, अलवर में ली अंतिम सांस

अलवर: भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, दो बार विधायक और वसुंधरा राजे सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे हेम सिंह भड़ाना का सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे अलवर में उनके निवास पर 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से अलवर और खैरथल-तिजारा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वे लंबे समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे और कुछ दिन पहले उन्हें ब्रेन हेमरेज भी हुआ था, जिसके बाद वे काफी समय तक गुड़गांव के अस्पताल में भर्ती रहे।

सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उन्हें गंभीर हालत में अलवर के टेल्को चौराहे स्थित हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल के संचालक डॉ। हरीश गुप्ता ने बताया कि जब उन्हें इमरजेंसी में लाया गया, तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। हेम सिंह भड़ाना अपने पीछे पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। वे अलवर शहर के वीर सावरकर नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास रहते थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव भगेरी कला (किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र) में किया जाएगा, जो वर्तमान में खैरथल-तिजारा जिले में आता है। उनके निधन के चलते अलवर और खैरथल में आज भाजपा के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। हेम सिंह भड़ाना का जन्म 7 फरवरी 1966 को हुआ था।

उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढ़ाई की थी। वे शुरू से ही छात्र राजनीति में सक्रिय रहे। वर्ष 1991 से 1992 तक वे राजकीय कला एवं विधि महाविद्यालय, अलवर के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे। इसके बाद राजनीतिक सफर आगे बढ़ता गया और 10 फरवरी 2005 को वे पंचायत समिति किशनगढ़ बास के प्रधान बने। विधानसभा राजनीति में उन्होंने थानागाजी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे वर्ष 2008 से 2013 तक 13वीं विधानसभा और 2013 से 2018 तक 14वीं विधानसभा के सदस्य रहे। अपने कार्यकाल के दौरान वे अपनी मुखर कार्यशैली और साफ-सपाट बोलने के अंदाज के लिए जाने जाते थे। मंत्री के रूप में भी उनका कार्यकाल खासा सक्रिय रहा। 28 अक्टूबर 2014 को उन्हें खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री बनाया गया। इसके बाद उन्हें उपभोक्ता मामलों का भी प्रभार सौंपा गया। वर्ष 2016 में हुए मंत्रिमंडल फेरबदल में उन्हें मुद्रण एवं लेखन सामग्री, स्टेट मोटर गैराज और संपदा विभाग का मंत्री बनाया गया। साथ ही उनके पास सामान्य प्रशासन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी रहा।

एनआईए का बड़ा एक्शन

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में ताबड़तोड़ छापेमारी, भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में सोमवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने छापा मारा। एनआईए की एक टीम ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में तलाशी अभियान चला रही है। इस दौरान भारी मात्रा में सुरक्षाबल तैनात किए गए हैं।

एनआईए की छापेमारी के दौरान की एक वीडियो भी सामने आई है। हालांकि, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में किस वजह से छापेमारी की है, इसको लेकर अब तक भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

आधी रात में दहला धनबाद

झरिया विधायक के आवास सिंह मेंशन पर बमबारी, इलाके में दहशत

धनबाद : जिला स्थित सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत झरिया विधायक रागिनी सिंह के आवास सिंह मेंशन में रविवार की देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गयी, जब अपराधियों ने बंगले में बम से हमला कर दिया। अज्ञात लोगों ने सिंह मेंशन के अंदर और बाहर दो सुतली बम फेंके। मौके पर तेज धमाके के कारण पूरे इलाके में दहशत फैल गयी। हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन धमाके से आसपास के लोग सहम गये और घरों से बाहर निकल आये।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर तत्काल सिटी एसपी ऋतिक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी सरायढेला थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का

जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है।

दो जगहों पर फेंके गये सुथली बम: पुलिस के अनुसार पहला सुथली बम रात के लगभग 11.20 बजे झरिया विधायक के आवास सिंह मेंशन के अंदर फेंका गया, जबकि दूसरा बम बाहर सड़क की ओर फेंका गया। दोनों धमाके लगभग एक ही समय पर हुए। जिससे लोगों को किसी बड़ी साजिश की आशंका हुई। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के कई घरों के लोग नींद से जाग गये। कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी मची रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाके के बाद कुछ लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गये। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बम फेंकने वाले कितने लोग थे और किस दिशा में भागे।

काले रंग की कार से भागते दिखे लोग: जिस वक्त सिंह मेशन पर हमला हुआ, उस दौरान बंगले के अंदर झरिया विधायक के समर्थक मौजूद थे। जानकारी के अनुसार हमले से कुछ देर पहले ही संजीव सिंह बंगले में पहुंचे थे। उनके पहुंचने के कुछ देर के बाद ही हमला हुआ। बम से हुए धमाके की आवाज सूनकर कुछ समर्थक बाहर की ओर निकले। समर्थकों के अनुसार उन्होंने काले रंग की थार कार से कुछ लोगों को रिकॉर्डिंग करते भागते हुए देखा।

शांति की गूंज: 90 की उम्र में दलाईलामा ने जीता पहला ग्रैमी , दुनिया को दिया करुणा का मंत्र

धर्मशाला: तिब्बती अध्यात्मिक गुरु दलाईलामा ने अपनी उम्र के 90वें पड़ाव पर एक नया इतिहास रच दिया है। लॉस एंजिलस में आयोजित 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में उनके विशेष ऑडियो एल्बम मेडिटेशंस दि रिफ्लेक्शंस ऑफ हिज होलीनेस दि दलाईलामा को सर्वश्रेष्ठ ऑडियो बुक और स्टोरीटेलिंग के पुरस्कार से नवाजा गया है। नोबेल शांति पुरस्कार के दशकों बाद, उनके नाम के साथ अब संगीत की दुनिया का यह प्रतिष्ठित सम्मान भी जुड़ गया है। दलाईलामा की इस जीत ने पूरी दुनिया को चौंका दिया, क्योंकि उन्होंने इस श्रेणी में अमरीकी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन और मशहूर होस्ट ट्रेवर नोआ जैसी बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया। अगस्त, 2025 में उनके 90वें जन्मदिन पर रिलीज हुए इस एल्बम को पूरी दुनिया में सराहा गया है, जिसे कबीर सहगल ने बड़ी बारीकी से तैयार किया था। संगीत के सुरों में लिपटी शांति और पर्यावरण की पुकार यह एल्बम केवल उपदेशों का संग्रह नहीं है, बल्कि संगीत और अध्यात्म का एक अनूठा संगम है। इसमें भारतीय सरोद वादक अमजद अली खान और उनके बेटों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने स्वर दिए हैं। वॉटर जैसे ट्रैक्स के जरिए दलाई लामा ने पर्यावरण परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त की है, जो सीधे युवा पीढ़ी से संवाद करती है।

यह मेरी नहीं, मानवता की जीत: पुरस्कार की घोषणा के बाद दलाईलामा ने बड़ी ही विनम्रता से इसे स्वीकार करते हुए कहा कि वे इसे व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि साझा वैश्विक जिम्मेदारी की मान्यता मानते हैं। धर्मशाला (मकलोडगंज) स्थित उनके कार्यालय ने भी इस सम्मान को उनके दया और प्रेम के संदेश की वैश्विक स्वीकृति बताया है।

जम्मू-कश्मीर में लगे भूकंप के तेज झटके, रिक्टर स्केल पर 4.6 रही तीव्रता, घरों से बाहर निकले लोग

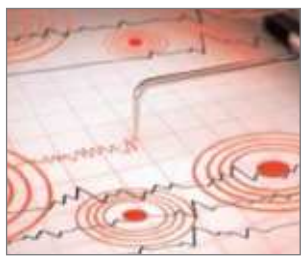

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में सोमवार को मध्यम तीव्रता का भूकंप आया, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4।8 मापी गई। लेकिन, इसका असर दूर-दूर तक हुआ क्योंकि इसका केंद्र बडगाम जिले में था। आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप सुबह 5।35 बजे आया था और इसका केंद्र घाटी के बडगाम जिले में था। भूकंप ने कश्मीर को हिला दिया, क्योंकि इसका केंद्र घाटी में ही बडगाम में था, जो राजधानी श्रीनगर से सिर्फ 21 किमी उत्तर में है।

लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकले क्योंकि भूकंप के झटकों से खिड़कियां और दरवाजे हिलने लगे थे। अधिकारी फिलहाल संभावित नुकसान या संपत्ति को हुए नुकसान के बारे में रिपोर्ट इकट्ठा कर रहे थे। भूकंप के झटके 8 अक्टूबर 2005 को आए बड़े भूकंप की याद दिला रहे थे, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7।6 थी, जिसे बहुत ज्यादा माना जाता है। उस भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद शहर में था। वह भूकंप इतना जबरदस्त था कि इसका असर दूर ताजिकिस्तान, शिनजियांग और अफगानिस्तान तक महसूस किया गया। 2005 के भूकंप में 80 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे और पीओके का मुज्फ्फराबाद शहर पूरी तरह से तबाह हो गया था। लगभग साढ़े तीन लाख लोग बेघर हो गए थे, जबकि कब्जे वाले कश्मीर में 2005 के भूकंप में 1।38 लाख लोग घायल हुए थे। 2005 से पहले, साल 1885 में 30 मई को घाटी में एक और बड़ा भूकंप आया था। इसे बारामूला भूकंप कहा जाता था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6।8 रिकॉर्ड की गई थी।

2026 की जीडीपी ग्रोथ में यूएस से आगे निकला भारत, एलन मस्क बोले- बदल रहा पावर बैलेंस

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के ताजा आकलन के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि में योगदान के मामले में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। यह जानकारी 31 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वर्ल्ड ऑफ स्टैटिस्टिक्स द्वारा साझा की गई एक रिपोर्ट के जरिए सामने आई।

रिपोर्ट को टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने री-पोस्ट करते हुए लिखा, शक्ति का संतुलन बदल रहा है। मस्क की इस टिप्पणी को भारत की बढ़ती वैश्विक आर्थिक भूमिका के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

2026 में भारत का योगदान अमेरिका से अधिकः आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026

में अनुमानित वैश्विक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान 17 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका का योगदान 9।9 प्रतिशत बताया गया है। इस सूची में चीन शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जिसकी हिस्सेदारी 26।6 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन दोनों एशियाई अर्थव्यवस्थाएं मिलकर अब वैश्विक जीडीपी वृद्धि का लगभग 43।6 प्रतिशत योगदान कर रही हैं, जो वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एशिया के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

भारत पर एलन मस्क की खास नजरः एलन मस्क हाल के महीनों में भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर लगातार रुचि दिखाते रहे हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दो बार मुलाकात कर चुके हैं और भारत में अपनी कंपनियों के विस्तार के लिए संभावित स्थानों की तलाश कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बयानः बजट 2026 पर आयोजित यूथ डायलॉग कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एलन मस्क की प्रतिक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि आईएमएफ के आंकड़े भारत की मजबूती को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, वैश्विक जीडीपी वृद्धि में चीन का योगदान लगभग 26 प्रतिशत और भारत का 17 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, ये दोनों देश दुनिया की आर्थिक वृद्धि का करीब 43 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं।

भारत-चीन के अंतर को पाटने का भरोसाः वित्त मंत्री ने आगे कहा कि भारत अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में निर्णायक ताकत के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, चीन और भारत के बीच फिलहाल अंतर दिखाई देता है, लेकिन भारत में वह क्षमता और आत्मविश्वास है कि वह इस अंतर को आने वाले समय में कम करेगा। एक बड़ी पड़ोसी अर्थव्यवस्था के साथ मिलकर वैश्विक विकास में हमारी भूमिका बेहद अहम हो चुकी है।

हंटरगंज में धूम धाम से मनाई गई संत रविदास की जयंती

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के एकतारा, तरवागड़ा, सलैया, जोरी, बिहिया, डाहा, बडहीबीघा, जवादोहर, पांडेपुरा सहित प्रखंड के कई गांवों में संत शिरोमणी रवि दास जी महाराज की 649वी प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, मुख्य रूप से उपस्थित थी।कार्यक्रम की शुरूआत संत रविदास जी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। लोगो को संबोधित करते हुए जिप अध्यक्ष ममता ने कहा कि संत किसी एक जाती के नहीं होते, इनकी वाणी हर समाज में समाहित है, मन चंगा तो कठौती में गंगा, इनकी वाणी सिख के दसवें गुरु नानक देव जी अपने धर्म के ग्रंथों में शामिल किए भक्ति काल में भी भगवान का साक्षात दर्शन पाए हम सभी को ज्ञान रूपी शिक्षा को हासिल करना है । वहीं अम्बेडकर समिति संरक्षक राजु दा ने संबोधित करते हुए बोला कि हम भक्ति काल के विजेता है और कलम युग का विजेता है।संत शिरोमणी रवि दास जी उस समय काल के दार्शनिक हुए जिस समय छुआ छूत भेद भाव चरम सीमा पर था उस समय संत शिरोमणी रवि दास जी संदेश दिए कि चमड़ा मांस रक्त से सब का बना आकार है आंख पसारी देख लो सारा जगत चमार है ।ऐसा चाहूं राज मैं मिले सबों को अन्न छोट बड़ सब सम बसे रवि दास रहे प्रसन्न ज्ञान रूपी शिक्षा से पूरा विश्व में अपना इतिहास बनाए जो मानव जीवन का दर्शन है ,आज हम सभी उनके विचारों पर चलकर समाज को सबल ।शिक्षित बनाना है नशा मुक्त समाज बनाना है समाज को जमात में बदलना है। मौके पर शैलेन्द्र कुमार, सुनील कुमार, सनोज कुमार,मनीष कुमार,बिंदु दास, पिंटू कुमार, जुगेश दास, सतेंद्र दास, रंजीत दास, अशोक कुमार, रौशन राज, बीरेंद्र दास, अजय कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

एसबी सक्सेस पब्लिक स्कूल में दसवीं के छात्राओं को दी गयी विदाई

जयनगरः प्रखंड के गोहाल मैन रोड पर स्थित एसबी सक्सेस पब्लिक स्कूल में रविवार को विदाई समारोह आयोजन करके दसवीं के छात्र - छात्राओं को विदाई दी गयी। इस दौरान दसवीं के छात्र-छात्राओं को इंटूमेंट बॉक्स देकर सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय के प्राचार्य विकास कुमार सिंह ने बताया कि एक दिन सभी को इस दौर से गुजरना पड़ता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप लोग बोर्ड परीक्षा में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करके विद्यालय के साथ साथ क्षेत्र का नाम रोशन करें। वहीं विद्यालय के निर्देशक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह जब से खुला है बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते आ रहा है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से विद्यालय में अनुशासन का परिचय दिए हैं उसी तरह से आप लोग जहां भी रहे हैं हमेशा अनुशासन का परिचय देते रहे हैं। मौके पर प्राचार्य विकास कुमार सिंह, निर्देशक जितेंद्र कुमार सिंह, ब्रह्मदेव यादव, भागीरथ यादव, राजेंद्र यादव, पिंटू राणा, पवन पंडित, सोनू पंडित, तारा देवी, सविता कुमारी, खुशी कुमारी, ज्योति कुमारी, लक्ष्मी कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

बजट 2026 जनता के साथ धोखा :सईद नसीम

कोडरमाः कांग्रेस नेता सईद नसीम ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट 2026 पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए निराशाजनक करार दिया है। उन्होंने कहा कि बजट के तुरंत बाद शेयर बाजार में आई ऐतिहासिक गिरावट इस बात का प्रमाण है कि यह बजट देश की आर्थिक सेहत को कमजोर करने वाला है। सईद नसीम ने कहा कि सरकार के दावों के विपरीत यह बजट आम जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट गरीबों को और गरीब बनाने वाला है, जबकि मध्यम वर्ग को भी इससे कोई राहत नहीं मिली। सईद नसीम ने कहा कि कुल मिलाकर यह बजट जनता के साथ धोखा है, क्योंकि इसमें रोजगार सृजन, महंगाई नियंत्रण और सामाजिक सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूंजीपतियों को राहत दी है, लेकिन आम लोगों की परेशानियों को नजरअंदाज किया गया है। कांग्रेस नेता ने सरकार से मांग की कि वह गरीब और मध्यम वर्ग के हित में बजट में संशोधन करे और वास्तविक जनकल्याणकारी कदम उठाए।

माले जिला कमिटी की बैठक में लिए गए कई फैसले

जयनगरः माले कोडरमा जिला कमिटी की बैठक शनिवार को पिपचो में जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से कोडरमा जिला प्रभारी सीताराम सिंह उपस्थित थे । जिला सचिव द्वारा पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा रिपोर्ट पेश की गयी। पार्टी में नये सदस्यों की भर्ती को लेकर पार्टी के सभी जन संगठनों द्वारा सदस्यता अभियान चलाते हुए 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल को सफल बनने पर विचार विमर्श किया गया । जिला प्रभारी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार किसान मजदूर विरोधी, श्रमिक विरोधी और जन विरोधी कानून नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी भारत बंद के आह्वान किया गया है । कोडरमा जिला में हजारों की संख्या में लोग बंद में शामिल होकर बंद को ऐतिहासिक बनाएंगे । उन्होंने कहा जनता के हक अधिकार के लिए सड़क से लेकर अंचल, ब्लॉक थाना जिला कार्यालय और सदन तक आंदोलन पर यात्रा धरना प्रदर्शन करने वाली पार्टी माले हीं जनहित के सवालों को लेकर सड़क पर नजर आएगी। भ्रष्टाचार शोषण अन्याय जुल्म के खिलाफ मजबूत ताकत भाकपा माले की ताकत है । सभी जन संगठनों को मजबूत बनाकर आंदोलन को तेज करने की जरूरत है । जिला सचिव ने कहा जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार ,महिलाओं पर अत्याचार छात्र नौजवानों पर अत्याचार काफी तेजी से बढ़ा है ।

कुसुमटीकरा में विज्ञान प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के आयोजन से बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ेगी: गिरधारी मांझी

संवाददाता

मुरीः कुसुमटीकरा में बेदिया युवा मंच कोर कमिटी झारखंड के पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विज्ञान प्रदर्शनी युवा महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सह संरक्षक डीआरडीओ वैज्ञानिक गिरधारी कुमार मांझी एवं असिस्टेंट मैनेजर सेबी धनबाद ने बाबा साहेब अंबेडकर, सावित्रीबाई फुले,शिबू सोरेन व बिरसा मुंडा के चित्र पर मल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया। गिरधारी कुमार मांझी ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चे एवं युवा मन को विज्ञान की ओर मोड़ना है। जो समाज और देश को आगे ले जाएगें। ये सब बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान के वजह से है नहीं तो हम लोग वर्ण व्यवस्था के गुलाम है जो हमे विज्ञान से दूर रखता है। हमारा दायित्व है कि जिस समाज ने हमे शिक्षित किया है उनकी पीढ़ी को हम शिक्षित करे। विज्ञान प्रदर्शनी आपके आने से सफल हुआ है । प्रदर्शनी में वाटर पीयूरिफिकेशन, अल होम आटो बल्ब, स्मार्ट डस्टबिन, ग्रेविटी एनर्जी, सेव रेन वाटर, हाइड्रो जेनेटिक, समेत कृषि से संबंधित वायो गैस, केंचुआ खाद निर्माण, बडी, मछली, गाय, सुअर, मुर्गी पालन एवं पारम्परिक घरेलू पकवान को प्रदर्शनी में लगाया गया था। इसके अलावा चित्रकला/हस्तकला, भाषण एवं नाटक की प्रस्तुति, /प्रतिस्पर्धा, आदिवासी सांस्कृतिक और धरोहर की प्रदर्शनी लगायी गई थी। जिसे मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार, प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बडाईक, पूर्व प्रखंड प्रमुख कमल नाथ मांझी, देवकिनन्दन बेदिया, सरस्वती देवी शंकर बेदिया सहित अन्य मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन कर बच्चों का हौसला बढ़ाया। सभी को मोमोंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वही सम्मानित लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। प्रर्दशनी को सफल बनाने में अध्यक्ष दिनेश बेदिया, उपाध्यक्ष अजय कुमार मांझी, सचिव लखीर्न्द बेदिया, उपसचिव चारू मांझी, कोषाध्यक्ष गुहीराम बेदिया, सक्रिय कार्यकारिणी अध्यक्ष चैतन्य मांझी, छोटु बेदिया, त्रिदेव बेदिया की सराहनीय योगदान रहा।

डोमचांच में महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज ने किया बालाजी फर्नीचर का उद्घाटन

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांचः कोडरमा झगिरिडीह मुख्य मार्ग पर एचडीएफसी बैंक के सामने डोमचांच बिजली ऑफिस के समीप बालाजी फर्नीचर का विधिवत उद्घाटन महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज ने विधिवत पूजा- अर्चना एवं फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता एवं डोमचांच प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। महामंडलेश्वर सुखदेव जी महाराज ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठान खुलने से आम लोगों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी और समय व धन दोनों की बचत होगी। पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता ने कहा कि डोमचांच निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। अब लोगों को फर्नीचर जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए तिलैया या कोडरमा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं डोमचांच प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने कहा फर्नीचर शॉप के खुलने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। बालाजी फर्नीचर के प्रोपराइटर ऋषि कुमार ने बताया कि उनके प्रतिष्ठान में पलंग, गोदरेज, ड्रेसिंग टेबल, डायनिंग टेबल, सोफा सेट, ऑफिस चेयर सहित विभिन्न प्रकार के आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बेटियों की शादी को ध्यान में रखते हुए विशेष ऑफर के तहत मात्र 51 हजार रुपये में सभी आवश्यक सामान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए फाइनेंस की व्यवस्था भी की गई है। अधिक जानकारी के लिए 9801775857 एवं 8825318083 पर संपर्क किया जा सकता है। मौके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुजीत कुमार, सुरेश कुमार, गुड्डू यादव, महेंद्र साव, आनंद साव, अमरदीप कुमार, उदय मेहता, मुन्ना कुमार, रघु कुमार, राहुल कुमार, प्रवीण कुमार, अशोक सिंह, शिवनाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

खूंटी जिला को मिला राज्य में दूसरा स्थान, परिवहन मंत्री ने किया सम्मानित

संवाददाता

खूंटीः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा होटल बीएनआर में सड़क सुरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दीपक बीरूआ ने गुड समरीटन अवार्ड निर्गत करने में पूरे राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर जिला परिवहन कार्यालय, खूंटी को पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा माह के दौरान पूरे माह जागरूकता कार्यक्रमों के उत्कृष्ट आयोजन के लिए जिला परिवहन कार्यालय को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक एवं जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक द्वारा संयुक्त रूप से प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में परिवहन सचिव, परिवहन आयुक्त, संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), संयुक्त सचिव, अवर सचिव सहित राज्य के सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक एवं अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पूरे माह चला व्यापक जागरूकता कार्यक्रमः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिला परिवहन कार्यालय, खूंटी द्वारा जिले भर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रारंभिक चरण में सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन के माध्यम से सभी प्रखंडों एवं बाजारों में यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही मोटर वाहन अधिनियम, मुआवजा प्रावधान एवं गुड समरीटन से संबंधित जानकारी देकर पंपलेट का वितरण किया गया। बिरसा कॉलेज, लोयला स्कूल, डीएवी स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाओं का आयोजन कर छात्रों को सड़क सुरक्षा एवं मोटर वाहन अधिनियम की जानकारी दी गई।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित झांकी प्रस्तुति कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं के कारण, बचाव के उपाय, गुड समरीटन एवं यातायात नियमों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसमें जिला परिवहन कार्यालय, खूंटी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर वाहन जांच अभियान के साथ सड़क सुरक्षा पुष्प अभियान चलाया गया। वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में हॉकी मैच का आयोजन कर खेल के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया।

सदर अस्पताल में निःशुल्क नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। वहीं सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा, हस्ताक्षर एवं सेल्फी अभियान के साथ बस स्टैंड एवं पेट्रोल पंपों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला प्रशासन द्वारा रन फॉर रोड सेफ्टीकार्यक्रम का आयोजन कर वरीय पदाधिकारियों, कर्मियों, पुलिस, मीडिया एवं छात्रों के साथ आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के बीच हेलमेट का भी वितरण किया गया।

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में जिला वासियों ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी मीट 2026 का भव्य आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एलुमनी एसोसिएशन ऑफ ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में एलुमनी मीट 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी एलुमनी सदस्यों का स्वागत महाविद्यालय के बीएड.सत्र 2025- 27 के प्रशिक्षुओं के द्वारा तिलक लगाकर एवं गुलाब के फूल से किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालन अधिकारी तनिष्क सेठ, प्राचार्य, एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक सौरभ शर्मा, आईक्यूए सी समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डीएलएड. विभागाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्यों एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात बीएड. सत्र 2025- 27 की प्रशिक्षु श्रेया एवं ग्रुप ने सामूहिक स्वागत गान प्रस्तुत कर सभी के मन को विभोर किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। तदुपरान्त एलुमनी सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए विविध प्रकार के कविता पाठ, गान, नृत्य एवं अपने बहुमूल्य विचार साझा करते हुए महाविद्यालय द्वारा प्राप्त अनुभव एवं अधिगम पर विशेष ध्यान आकृष्ट कराया। इसी क्रम में एलुमनी विकास कुमार यादव एवं श्रुति कुमारी ने अपने सुरीले अंदाज में एकल गीत गायन द्वारा सभी को अभिभूत किया। महाविद्यालय के एलुमनी समन्वयक सौरभ शर्मा के द्वारा एलुमनी एसोसिएशन के कार्यों, उद्देश्यों एवं एलुमनी एसोसिएशन के उपलब्धियों को पीपीटी. प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में एलुमनी सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार के लक्की ड्रा, लक्की एलुमनी तथा विभिन्न गेम का आयोजन किया गया। जिसमें धनेश्वर कुमार, रेशमी कुमारी और अर्चना कुमारी का लक्की ड्रा निकला। कार्यक्रम में बीएड. सत्र 2023-25 के एनएसएस. वॉलंटियर्स को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालनअधिकारी तनिष्क सेठ, प्राचार्य तथा एलुमनी समन्वयक सौरभ शर्मा ने वर्तमान में विभिन्न सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पूर्व छात्रों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग किए सभी एलुमनी सदस्यों को एवं सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा उपहार भेंट किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम हर्षोल्लास से भरा रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी एलुमनी सदस्य एवं महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु एवं सदस्य एक साथ सामूहिक भोजन ग्रहण किए एवं एलुमनी एसोसिएशन के निरंतर एवं सहज संचालन हेतु फंड का सहयोग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव अविनाश कुमार सेठ ने अपने संबोधन में एलुमनी सदस्यों को महाविद्यालय के प्रति तत्परता एवं समर्पण को धन्यवाद करते हुए उनके सफल भविष्य की कामना किए और कहा कि एलुमनी हमारे महाविद्यालय के मजबूत स्तंभ होने के साथ क्षेत्र के ऊजार्वान एवं होनहार भविष्य हैं। किसी भी संस्थान के विकास में एलुमनी सदस्यों का अहम योगदान रहता है। हम सदैव उनके उजव्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक सौरभ शर्मा ने सभी एलुमनी सदस्यों को उनके प्रयासों की सराहना करते हुए एलुमनी एसोसिएशन को सशक्त करने पर बल दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीएड सत्र 2009- 10 से 2023- 25 तक के पूर्ववर्ती छात्र, बीएड. सत्र 2024- 26 एवं 2025- 27 के सभी प्रशिक्षु, महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक मनीष कुमार सिन्हा, मनीष कुमार सिंह, खुश्बू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, चुन्नु कुमार, सीताराम यादव एवं शिक्षेकेतर कर्मचारी सुचित कुमार, सुधीर साव एवं ओंकार कुमार उक्त अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन बीएड सत्र 2025- 27 के प्रशिक्षु समीना प्रवीण एवं अंकित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन एलुमनी एसोसिएशन के समन्वयक सौरभ शर्मा ने किया।

तिनसुकिया में '21वें आदिवासी महासभा-2026' को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा-

असम के आदिवासी समाज की सुख-दुःख में हमेशा खड़ा रहेगा झारखंड

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने असम के तिनसुकिया जिला में ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ आसाम द्वारा आयोजित '21वें आदिवासी महासभा-2026' को संबोधित किया। सोरेन ने कहा कि यहां आप सभी आदिवासी समुदाय के लोग जो लगभग डेढ़ सौ वर्षों से यहां रह रहे हैं उनसे रू-ब-रू होने का आज मुझे मौका मिल रहा है। सोरेन ने कहा कि झारखंड के वैसे सभी आदिवासी-मूलवासी समुदाय के जनमानस जो असम में रह कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं उनकी तकलीफों, उन पर हो रहे अत्याचारों और व्यथा को सुनने के लिए हम आज यहां आए हैं। हम लोग झारखंड से आए हैं, कहीं न कहीं आप सभी का जुड़ाव भी झारखंड से बहुत पुराना रहा है। झारखंड एक ऐसा प्रदेश है जब देश के लोग आजादी का सपना भी नहीं देखे थे, उस समय आजादी की लड़ाई हमारे पूर्वज अंग्रेजों के साथ लड़ रहे थे। देश की आजादी में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हू, तिलका मांझी सहित झारखंड के

अनगिनत वीर सपूतों का अहम योगदान रहा है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

राज्य अलग हुआ, लेकिन इसका फायदा आदिवासी समुदाय को नहीं मिला

सोरेन ने कहा कि हमारे वीर सपूतों ने पीढ़ियों को बचाने, जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए अपना बलिदान दिया है। आदिवासी समाज के लोगों ने ही अंग्रेजों से सबसे पहले लोहा लेने का काम किया था।आखिर किस कारण से आज देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी समाज के लोग अपने हक-अधिकार की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सोरेन ने कहा कि आदिवासी, मूलवासी, दलित, पिछड़ा वैसे वर्ग है जो समाज के सबसे कमजोर एवं नीचे पायदान में रहने वाले लोग हैं। ऐसी क्या परिस्थिति आ गई जो यहां के आदिवासी-मूलवासी अलग-थलग होकर बिखरने को मजबूर हुए हैं। कई जगहों पर आदिवासी समुदाय के लोग हाशिए पर रहकर अपना जीवन जी रहे हैं। इन विषयों पर गंभीर चिंतन की जरूरत है। मौके पर मुख्यमंत्री ने असम के कद्दावर आदिवासी नेता स्व प्रदीप नाग एवं प्रसिद्ध गायक स्व जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि देश आजाद हुए 75 साल हो गए हैं। देश में कई नीतियां-कानून बने। देश के संविधान से हमें रक्षा कवच मिला उसके बावजूद आज हम कहां खड़े हैं। आज हमारा समाज कितना संघर्ष कर रहा है यह बहुत बेहतर तरीके से आप सभी लोग जानते हैं। आज सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक रूप से आदिवासी समुदाय कमजोर है और इसी कमजोरी का फायदा बड़े एवं सामंती विचारधारा वाले लोग बहुत चालाकी से उठाते हैं। सोरेन ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज हमारे बीच नहीं हैं, जब उन्होंने अलग राज्य की परिकल्पना की तो कुछ लोग मजाक उड़ाते थे कि आदिवासी लोग अलग राज्य बनाएंगे। आज सच्चाई पूरे देश के सामने हैं। वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य झारखंड बना। यह बात सही है कि उस समय क्या नारा लगता था, कैसे लेंगे झारखंड, लड़के लेंगे झारखंड। उस समय न मोबाइल, न गाड़ी, न मोटर उसके बावजूद झारखंड के लोग जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए चीटियों की तरह एकजुट हो जाते थे। राज्य अलग हुआ, लेकिन इसका फायदा आदिवासी समुदाय को नहीं मिला।

15 वर्ष से ज्यादा समय तक झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया गया

सोरेन ने कहा कि हम लोगों को तो राज्य लेना था, हमारे अग्रणी नेताओं ने सोचा कि राज्य अलग होगा तो यहां के आदिवासियों-मूलवासियों का विकास होगा। झारखंड राज्य अलग होने के बाद बौद्धिक रूप से मजबूत लोगों ने 15 वर्ष से ज्यादा समय तक झारखंड को पीछे धकेलने का काम किया, नतीजा यह हुआ कि राशन कार्ड लेकर लोग भात-भात-कहते हुए भूख से मरने को विवश हुए, फिर हमने प्रखंड-प्रखंड, गांव-गांव, टोला-टोला पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का काम किया फिर लोगों ने हमें राज्य की बागडोर संभालने का मौका दिया। राज्य का बागडोर संभालते ही हमने 5 साल के भीतर स्थिति को बदलने की कोशिश की और हमें सफलता भी मिली। वैसे गरीब, पीड़ित, शोषित, आदिवासी-मूलवासी समुदाय के लोग जो कभी जिला ऑफिस, प्रखंड कार्यालय नहीं देखे थे, बीडीओ, सीओ, डीसी, एसपी को नहीं जानते थे उन तक हमने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है। सोरेन ने कहा कि देश में रहते हुए हमारे यहां के आदिवासी अपना हक-अधिकार, अपनी मान्यता के लिए संघर्षशील हैं। आज आदिवासियों के हितैषी बनने वाले लोग आदिवासियों को ही हाशिए पर रखने के लिए उतारू हैं। वे जानते हैं कि आदिवासी समाज अगर आर्थिक और बौद्धिक रूप से मजबूत हो गया तो वे अपनी हक-अधिकार, जल-जंगल-जमीन की बात करेंगे।

देश की अर्थव्यवस्था में झारखंड सबसे ज्यादा योगदान देने वाला राज्य है

सोरेन ने ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सम में रहने वाले आदिवासियों की मदद करने के लिए पूरा झारखंड का आदिवासी समाज आगे आकर खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की एकजुटता ही हमारी पहचान है। पहले दुनिया हमारी एकजुटता का लोहा मानती थी। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी वर्ग-समुदाय के लोगों की एकजुटता देश को मजबूती प्रदान करती है, लेकिन पिछले कुछ समय से बौद्धिक और आर्थिक रूप से समृद्ध लोगों ने हमारी एकजुटता पर प्रहार करने का काम किया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में झारखंड सबसे ज्यादा योगदान देने वाला राज्य है। हमारी सरकार ने यह तय किया है कि इस राज्य ने बहुत कुछ दिया है अब इस राज्य के लोगों को वापस देने की जरूरत है। हमारे राज्य के संसाधन का सही मूल्य मिले इस पर हम बेहतर कार्यपद्धति से आगे बढ़ रहे हैं।

स्टेट बैंक विरासत सम्मान 2025

मेट्रो रेज

रांचीः पुरानी गीतों को आज भी लोग सुनना पसंद करते हैं। कुछ ऐसे गीत होते है जिन्हें सदाबहार गीतों का नाम दिया जाता है। लेकिन नई पीढ़ी पुराने गीतो और म्यूजिक को नहीं समझ पाते। रिमिक्स के जमाने में पुराने गीतों का विरासत उनसे खोती जा रही है या कहे पुराने गीत आज के युवायों की जुबा से गायब होते जा रहें हैं, इसलिए आज के युवाओं को अपनी इन्हीं विरासत के प्रति जागरूकता लाने के लिए रेणुका आर्ट द्वारा आयोजित स्टेट बैंक विरासत सम्मान 2025 का आयोजन बीआईटी। मेसरा के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अजय मल्कानी अध्यक्ष रेणुका आर्ट, मो साबिर हुसैन निदेशक रेणुका आर्ट, डॉ भास्कर विभागाध्यक्ष बीआईटी मेसरा, डॉ डीके। चाँद प्रोफेसर बीआईटी। मेसरा एवं रंजन कुमार सिंह, सचिव रेणुका आर्ट द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलीत कर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अजय मल्कानी ने कहा कि झारखण्ड के कलाकारो को विरासत जैसे सम्मान से सम्मानित किया जाना झारखण्ड के लिए बड़े गौरव की बात है। वही रेणुका आर्ट के सचिव रंजन कुमार सिंह ने सम्मानित किए गए सभी कलाकारो से आग्रह किया कि वे आज के युवाओं मे पुराने गीतों के प्रति जागरूकता लाने का काम करें।

सम्मानित होने वाले कलाकारों का नाम कुछ इस प्रकार है- श्री राकेश नायक, प्रेम कात्यान, रागनी दत्ता, आर्या मिश्रा, डॉ माधवी मृणाल, रजब आनन्द, राजा बाबू, मृणाल पाठक, रोहित राज एवं अमित सरकार शामिल हैं। निदेशक मो साबिर हुसैन ने कहा कि रेणुका आर्ट बीआईटी। मेसरा का आभार व्यक्त करती है। हम आगे भी इस कार्यक्रम का आयोजन करते रहेंगे।

निकाय चुनाव : रांची के वार्ड नंबर 23 से खालिद उमर ने नामांकण किया दाखिल ।

बसों में अभी भी लगी हुई है आग

रांची : रांची के कांटाटोली बस स्टैंड में दूसरे दिन भी बस में आग लगी है। आग रांची नगर निगम के सिटी बस में लगी है। घटना के वक्त पास में मौजूद स्थानीय लोगो के सूझबूझ से शीघ्र आग पर काबू। पा लिया गया। इससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। आज की भी घटना के पीछे आगजनी की घटना की आशंका जतायी जा रही है। यह अगलगी है या आगजनी है, मामले की जांच में पुलिस जुट गयी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की जांच में संदिग्ध युवक की तस्वीर दिखी। उसके बाद पुलिस ने उस व्यक्ति को अपनी हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि आग लगी की आज की घटना के साथ कल की भी घटना के बारे में कोई सुराग मिल सकता है।

नानचाकू राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखण्ड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

रांचीः नानचाकू एसोसिएशन ऑफ इंडिया (नाई) के तत्वावधान में 30 जनवरी से 1 फरवरी तक कानपुर में आयोजित नानचाकू राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आज समापन हुआ । इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश,हरियाणा, झारखंड, बंगाल, उड़ीसा, दिल्ली, मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र,आंध्र प्रदेश, असम, राज्य से लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । नानचाकू राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखण्ड के खिलाड़ियों ने पहली बार हिस्सा लिया और अपने खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लालचंद लोहार (काता) में स्वर्ण और (कुमिते) में रजत पदक अपने नाम किया,अंश धान स्वर्ण पदक (कुमिते), निरंजन कुमार स्वर्ण पदक(फ्रीस्टाइल),असद राजा कांस्य पदक(फ्रीस्टाइल) में जीतकर झारखंड का गौरव बढ़ाया है ।

झारखंड के 14 प्रवासी मजदूर दुबई में फंसे

संवाददाता

रांचीः झारखंड के प्रवासी मजदूर एक बार फिर विदेश में फंस गए हैं। झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो के 14 प्रवासी मजदूर इस बार दुबई में फंसे हुए हैं। कंपनी द्वारा मजदूरों के बीच काम के बदले मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। साथ ही समय से अधिक काम कराया जा रहा है। इससे मजदूरों को वहां रहने एवं खाने-पीने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विदेश में फंसे मजदूरों ने एक वीडियो भेजकर अपनी पीड़ा को साझा करते हुए सरकार से मदद की अपील की है।

वीडियो जारी कर लगाई मदद की गुहार

प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले सिकन्दर अली को मजदूरों ने वीडियो भेजा है। मजदूरों के द्वारा भेजे गए वीडियो को उन्होंने मीडिया के साथ साझा किया है। सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों के सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक पहल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसने वाले मजदूरों का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर ज्यादा पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं। काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी कराई गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं।

तीन महीने के बाद भी नहीं आया शव

गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के मधगोपाली पंचायत (दूधपनिया गांव) निवासी प्रवासी श्रमिक विजय कुमार महतो की मौत 23 अक्टूबर 2025 को सऊदी अरब में हुई है। घटना के तीन महीने बीत जाने के बाद भी शव को अभी तक स्वदेश नहीं लाया जा सका है और न ही परिजनों को मुआवजा मिला है।

ये लोग हैं फंसे

दुबई में फंसे मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिचाकी के रोशन कुमार और अजय कुमार, बगोदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत के तिरला के राजेश महतो और मंडरो, डुमरडेली के अजय कुमार, बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कंजकीरो के डालेश्वर महतो। हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत खेदाडीह के जागेश्वर महतो और फालेन्द्र महतो, सिरैय के बैजनाथ महतो, पारजोरिया के दिलीप महतो, गंगाधर महतो और त्रिलोकी महतो, चकचुको बसरिया के दीपक कुमार, गोरहर थाना क्षेत्र अंतर्गत के गोरहर के रोहित महतो और सेवा महतो शामिल हैं। ये सभी मजदूर पिछले ऑक्टूबर 2025 को ईएमसी की कंपनी में ट्रांसमिशन लाइन में काम करने के लिए दुबई गए थे, लेकिन पिछले तीन महीने से किसी भी मजदूर को ठीक से वेतन नहीं मिला है जिसकी वजह से सभी मजदूर खाने तक के मोहताज हो गए हैं।

नगर निकाय चुनाव : उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

गुलाम शाहिद

रांची : नगर निकाय चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन नगर निगम क्षेत्र में उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न वार्डों से कई प्रत्याशियों ने अपने-अपने निर्वाचित पदाधिकारियों के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया। वार्ड संख्या 45 से पु मो इमरान रजा ने अपने निर्वाचित पदाधिकारी के समक्ष नामांकन किया। वहीं वार्ड संख्या 23 से साजदा खातुन ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। वार्ड 16 से नाजमा रजा और वार्ड 4 हुसना आरा ने पर्चा भरा। इसी क्रम में वार्ड संख्या 17 से फातिमा सलाहउद्दीन ने नामांकन किया।जबकि वार्ड 18 से सोमवित माजी ने नामांकन किया ।सोमवित माजी के माता और राज्य सभा सांसद महुआ माजी भी मौजूद है। नामांकन से पूर्व सभी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ समाहरणालय परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत रूप से नामांकन प्रक्रिया पूरी की। नामांकन को लेकर समाहरणालय परिसर में दिनभर राजनीतिक सरगर्मी बनी रही।

साजदा खातुन

जय माला

नाजमा-हुसना आरा

फातिमा संजू

सोमवित माजी

मेयर पद के लिए कल नामांकन दाखिल करेंगी रमा खलखो

मेट्रो रेज

रांची : आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने रांची मेयर पद के लिए रमा खलखो को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। रमा खलखो कल मेयर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। नगर निकाय चुनाव 23 फरवरी को आयोजित होंगे, जबकि मतगणना 27 फरवरी को होगी। चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर रहे हैं।

रमा खलखो इससे पहले भी रांची की मेयर रह चुकी हैं। उन्हें नगर प्रशासन का लंबा अनुभव है। कांग्रेस का कहना है कि उनके अनुभव और जनसंपर्क का लाभ पार्टी को चुनाव में मिलेगा। कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई है कि रमा खलखो के नेतृत्व में पार्टी नगर निकाय चुनाव में मजबूत प्रदर्शन करेगी। वहीं, उनके नामांकन को लेकर समर्थकों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।

केंद्रीय बजटः दलित,आदिवासी व गरीबों के साथ अन्याय

रांचीः केंद्रीय बजट 2025-26 को भाजपा सरकार विकसित भारत की नींव बताकर प्रचारित कर रही है, लेकिन गहराई से विश्लेषण करने पर यह बजट गरीब-विरोधी, दलित-विरोधी, आदिवासी-विरोधी और झारखंड-विरोधी नीतियों का दस्तावेज प्रतीत होता है। यह बजट सामाजिक न्याय से अधिक कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता देता है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचारह्व- यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद या शायद इसी कारण मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है।

आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी- सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं-कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स- हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता- ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं। हम बोलना जानते हैं पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार- विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निःस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता- इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी पर संयम नहीं सिखाया। गति दी पर विराम नहीं। साधन दिए पर मयार्दा नहीं। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है और विवेक का विकास मशीनों से नहीं मानवीय मूल्यों से होता है। हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है। इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा। परिवार, शिक्षा और समाज-तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है। आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

सहजन के फूलों में नवजीवन का उजास

गांव की वह पगडंडी, जहां दुपहरिया की उनींदी हवा में सहजन की डालियां झूलती थीं। उनकी छांव में खेलते बच्चे, दोपहर की थकान से आंखें मूंदकर सुस्ताते किसान और किसी कोने में बैठी कोई स्त्री, जो फूलों को बटोर कर उनकी सब्जी बनाने की सोच रही थी। सहजन का फूल केवल फूल नहीं था, यह किसी विरासत की तरह अगली पीढ़ी को सौंपा जाने वाला एक गीत था–मौन में गाया हुआ लेकिन दिल की गहराइयों तक गूंजता हुआ।

परिचय दास

वसंत की प्रथम आहट के साथ ही सहजन के पेड़ ने अपनी शाखाओं को नवजीवन के उजास से भर लिया। हल्की ठंडी हवा, धूप की धीमी परछाइयां और कोयल की आवाज के बीच सहजन के फूल अपनी नाजुक पंखुड़ियों को खोलने लगे। इन फूलों में एक अलौकिक सादगी थी, जैसे किसी गजल का पहला मिसरा-अनायास, लेकिन भीतर तक स्पंदित कर देने वाला। इन छोटे-छोटे सफेद फूलों की सुगंध में स्मृतियों का एक संसार बसता था। गांव की वह पगडंडी, जहां दुपहरिया की उनींदी हवा में सहजन की डालियां झूलती थीं। उनकी छांव में खेलते बच्चे, दोपहर की थकान से आंखें मूंदकर सुस्ताते किसान और किसी कोने में बैठी कोई स्त्री, जो फूलों को बटोर कर उनकी सब्जी बनाने की सोच रही थी। सहजन का फूल केवल फूल नहीं था, यह किसी विरासत की तरह अगली पीढ़ी को सौंपा जाने वाला एक गीत था-मौन में गाया हुआ लेकिन दिल की गहराइयों तक गूंजता हुआ।

सहजन के फूलों को जब पानी में डुबोया जाता तो वे अपनी कोमलता को त्यागकर पकने के लिए तैयार हो जाते। जैसे जीवन भी तपने पर ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। उनकी हल्की कड़वाहट, उनकी मिट्टी की गंध और उनके भीतर बसी हुई मृदुता एक संपूर्ण कविता थी-जिसे सिर्फ स्वाद से ही नहीं, हृदय से भी समझा जा सकता था। सहजन के फूलों की एक अलग ही दुनिया थी-न धूमधाम, न रंगों का जादू, बस सफेदी में लिपटी हुई एक गहरी अनुभूति। वे उन शब्दों की तरह थे, जो बिना किसी शोर के भी भीतर तक असर कर जाते हैं। उनके गिरने का ढंग भी अनूठा था-धीरे-धीरे, बूंद-बूंद की तरह, मानो समय के हाथों में अपनी अंतिम आहुति दे रहे हों।

जब हवा सहजन के फूलों को स्पर्श करती तो वे एक अनकही भाषा में झूम उठते। यह भाषा किसी एक की नहीं थी, यह उन सभी की थी, जिन्होंने प्रतीक्षा की पीड़ा को समझा था। एक विरहिणी नायिका की तरह ये फूल अपनी डालियों से अलग होकर भी किसी अदृश्य प्रेम के साथ जुड़े रहते थे। सहजन के फूलों में प्रेम था-एक ऐसा प्रेम, जो सब कुछ सहकर भी विनम्र बना रहता है। कभी-कभी, जब संध्या उतरती तो सहजन के फूलों से भरी डालियां चुपचाप अपने अस्तित्व को देखती रहतीं। जैसे किसी बूढ़े साधु की आंखों में ठहरा हुआ संतोष। वे फूल, जो दिनभर हवा के साथ हंसे थे, अब निशब्द खड़े रहते- स्वीकृति और समर्पण के साथ। वे जानते थे कि उनकी यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती, वे मिट्टी में मिलकर फिर से जन्म लेंगे, किसी और शाखा पर, किसी और ऋतु में।

सहजन के फूलों की यही विशेषता थी- वे जीवन के सबसे सरल, सबसे अल्पकालिक, लेकिन सबसे अर्थपूर्ण हिस्से थे। वे बिना बोले हमें सिखा जाते थे कि सौंदर्य केवल भव्यता में नहीं, सादगी में भी होता है। वे हमें यह भी सिखाते थे कि जो गिरने में भी आनंद पा सके, वही सच्चे अर्थों में खिला हुआ है।

जब भी कोई सहजन के फूलों को देखता, उसे अपने भीतर कोई भूला-बिसरा गीत याद आ जाता। कोई पुरानी चिट्ठी, कोई अनकहा वादा, कोई अधूरा सपना। वे फूल नहीं थे, वे स्मृतियों की छोटी-छोटी नावें थीं, जो समय की नदी में बहती रहती थीं - शांत, निश्चल, लेकिन हर किसी तक पहुंचने वाली। कई बार, मैं सहजन के उन फूलों को देखता और सोचता - क्या जीवन भी ऐसा ही नहीं है? क्या हम सब किसी शाखा पर लगे हुए फूल ही तो नहीं, जिन्हें एक दिन जमीन पर गिर जाना है? और अगर गिरना ही नियति है तो क्यों न गिरते समय भी अपनी सुगंध को बचाए रखें? क्यों न इस यात्रा को भी सुंदर बना दें?शायद यही कारण था कि जब भी सहजन के फूल जमीन पर बिखरते, वे किसी उदासी में नहीं बल्कि एक नृत्य में होते थे। जैसे किसी विदा होती आत्मा की अंतिम प्रार्थना। जैसे किसी प्रेमी की वह चुप्पी, जिसमें कोई शिकायत नहीं, सिर्फ समर्पण होता है।सहजन के फूल सिर्फ पेड़ पर नहीं खिलते, वे स्मृतियों में भी खिलते हैं। वे बचपन की कच्ची धूप में खिलते हैं, वे मां के हाथों की गर्माहट में खिलते हैं, वे किसी पुरानी धुन में खिलते हैं। वे हवा में बहते हैं, मिट्टी में घुलते हैं और फिर किसी नए वृक्ष की शाख पर उग आते हैं। और इस तरह, सहजन के फूल कभी मरते नहीं। वे हर बार नए स्वरूप में लौटते हैं -उसी सादगी, उसी नमी और उसी अव्यक्त सौंदर्य के साथ। सहजन के फूल चुपचाप खिलते हैं- जैसे किसी कविता की सबसे मृदु पंक्ति जो अर्थों के भार से झुकी हुई नहीं बल्कि हल्की होकर हवा में बहती है। वे किसी भी ऋतु के प्रखर नायक नहीं होते, न वसंत के रंगों में खोए रहते हैं, न पतझड़ की उदासी को ओढ़ते हैं। वे बस आते हैं–धीरे से, संकोच के साथ, जैसे किसी पुरानी धुन का पहला सुर, जिसे केवल वही सुन सकता है, जिसकी स्मृतियों में कोई शांत धूप बची हो।

सहजन के फूलों की सादगी में एक अजीब-सी जटिलता है। वे जितने सीधे दिखते हैं, उतने ही गहरे होते हैं। सफेद, नर्म और हल्की गंध से भरे हुए ये फूल किसी मौन गीत की तरह खिलते हैं -शब्दों से अधिक अनुभव में बहते हुए। हवा उन्हें छूती है और वे बिना किसी प्रतिरोध के बहने लगते हैं। जैसे प्रेम में समर्पण का पहला क्षण, जब सब कुछ स्पष्ट नहीं होता लेकिन महसूसना ही पर्याप्त होता है। सहजन के फूल गिरते नहीं–वे उतरते हैं। धीरे-धीरे, जैसे समय के स्पर्श से पिघलकर धरती की गोद में समा रहे हों। उनकी यात्रा किसी संत की प्रार्थना जैसी है -शांत, कोमल, और गहरी। वे न अपने खिलने का उत्सव मनाते हैं, न गिरने की पीड़ा में विलीन होते हैं। वे बस प्रवाह में रहते हैं, उस नदी की तरह जो कभी ठहरती नहीं, लेकिन अपने भीतर सैकड़ों स्मृतियों को संजोए रखती है।शाम की धूप जब सहजन के पेड़ों से छनकर गिरती है, तो फूलों के छोटे-छोटे चेहरे चमकने लगते हैं। यह कोई चमत्कार नहीं, बस प्रकृति का एक कोमल संकेत है कि सौंदर्य उन्हीं चीजों में बसता है, जिन्हें हम अनदेखा कर देते हैं। कभी-कभी, मैं सहजन के फूलों को देखता हूं और सोचता हूं - क्या हम भी ऐसे ही नहीं हैं? अपनी शाखाओं पर किसी अदृश्य वचन में बंधे हुए, एक दिन मिट्टी में लौट जाने के लिए? और अगर लौटना ही है तो क्यों न इन फूलों की तरह उतरें -सुगंध से भरे हुए, हल्के, और स्मृतियों में बसे रहने वाले?

शायद इसीलिए सहजन के फूल केवल फूल नहीं होते, वे जीवन की सबसे सुंदर परिभाषा होते हैं-सरल, क्षणिक लेकिन शाश्वत। कभी-कभी हवा सहजन के फूलों से बातें करती है। वे उसके कानों में धीमे से कुछ कहते हैं, कोई भूली-बिसरी कथा, कोई बीता हुआ वादा, कोई अनसुना गीत। हवा उन्हें छूते ही हल्के हो जाती है, जैसे उन फूलों ने उसे कोई गुप्त मंत्र दे दिया हो-एक ऐसा मंत्र, जो थके हुए पत्तों को सुकून देता है, जो किसी उखड़े हुए जड़ को भी यह भरोसा दिलाता है कि मिट्टी में लौटना भी एक यात्रा ही है, कोई अंत नहीं। जब सहजन के फूल झरते हैं तो धरती को अपने स्पर्श से भर देते हैं। उनका गिरना किसी विरहिणी नायिका के अश्रु जैसा नहीं होता, न ही किसी अधूरे स्वप्न के टूटने जैसा। वे गिरते हैं, जैसे जल में कोई दीप उतारा जाता है–एक धीमी आहुति की तरह, जो बुझने के बजाय और भी गहराई में समा जाती है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच आत्मनिर्भर भारत का बजट

वित्तमंत्री ने बजट भाषण की शुरूआत ही इससे की कि विशेष संसाधनों की उपलब्धता इस समय काफी मुश्किल है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध का जारी रहना, अमेरिका द्वारा दुनिया के एनर्जी संसाधनों को अपने कब्जे में रखने के लिए साम्राज्यवादी तरीकों को अपनाना और चीन द्वारा रेयर अर्थ के नाम पर दुनिया को ब्लैकमेल करना सामान्य घटनाएं नहीं हैं। उस पर भारत के खिलाफ अमेरिका का हाई टैरिफ भी मुसीबत के समान है।

-विक्रम उपाध्याय

भारत मुश्किलों से निकलना जानता है। यह बात वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-2027 के बजट भाषण में सिद्ध करने की सफल कोशिश की। इस समय जो वैश्विक स्थिति है, उसके नकारात्मक असर से खुद बचाए रखने के साथ आगे बढ़ने का रास्ता बनाने की बड़ी चुनौती भारत के सामने थी। बजट में मोदी सरकार ने यह प्रयास किया है कि दोनों मोर्चों पर भारत को अपनी स्थिति मजबूत करने की नीतियाँ बन जाए। इसलिए इस बजट को आत्मनिर्भर भारत का बजट कहा जाए तो गलत नहीं होगा।

वित्तमंत्री ने बजट भाषण की शुरूआत ही इससे की कि विशेष संसाधनों की उपलब्धता इस समय काफी मुश्किल है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध का जारी रहना, अमेरिका द्वारा दुनिया के एनर्जी संसाधनों को अपने कब्जे में रखने के लिए साम्राज्यवादी तरीकों को अपनाना और चीन द्वारा रेयर अर्थ के नाम पर दुनिया को ब्लैकमेल करना सामान्य घटनाएं नहीं हैं। उस पर भारत के खिलाफ अमेरिका का हाई टैरिफ भी मुसीबत के समान है। जाहिर है भारत एक साथ कई मोर्चों पर जूझ रहा है। अब बजट में इन चुनौतियों से लड़ने का क्या अस्त्र मौजूद है, उस पर निगाह डालते हैं।

भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता पेट्रोलियम पदार्थों के आयात को न्यूनतम करने की थी। क्योंकि अमेरिका भारत पर दवाब ही पेट्रोलियम खरीद को लेकर डाल रहा था। ट्रम्प प्रशासन भारत को किसी भी कीमत पर रूस से सस्ते तेल खरीदने से रोकना चाहता है। 50 प्रतिशत की टैरिफ भी इसी के नाम पर लगाया। अब बेनेजुअला से तेल खरीदने का दवाब आ रहा है, जाहिर है भारत को वह रियायत नहीं मिलेगी, जो रूस दे रहा था। ऐसे में भारत के पास यही रास्ता बचता है कि पेट्रोलियम आयात की निर्भरता जितनी कम हो सके किया जाए। इसी को ध्यान में रखकर केंद्रीय बजट 2026-27 में पेट्रोल-एथेनॉल के बाद सीनजी में बायो-गैस ब्लेंडिंग की बड़ी योजना लाई गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अब सीनजी में कंप्रेस्ड बायो-गैस यानि सीबीजी की ब्लेंडिंग की घोषणा की है। साथ में घरेलू बायो-एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा देने का भी ऐलान किया है। अब कृषि-अपशिष्ट का इस्तेमाल भी बढ़ेगा और गैस एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का आयात भी कम होगा।

हमारे देश में सबसे ज्यादा पेट्रोल एवं डीजल का उपयोग ट्रांसपोर्ट के लिए होता है और अब जमाना ई एनर्जी का आ रहा है। इस बजट में सरकार ने पेट्रोलियम पर निर्भरता और कम करने के लिए ई-व्हीकल इकोसिस्टम में बड़े विस्तार की घोषणा की है। केंद्र सरकार मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करने वाले कई प्रावधानों की घोषणा की है। बजट में अब पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के लिए भी ज्यादा से ज्यादा ई-बसों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। बजट में ई बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए 35 अतिरिक्त कैपिटल गुड्स और मोबाइल फोन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए 28 अतिरिक्त कैपिटल गुड्स को छूट वाली कैपिटल गुड्स की लिस्ट में जोड़ दिया गया है। इससे मोबाइल फोन और इलेक्ट्रिक वाहनों दोनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी के घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा कोबाल्ट पाउडर, लिथियम-आयन बैटरी के स्क्रैप, लेड, जिंक और 12 अन्य महत्वपूर्ण खनिजों पर से बेसिक कस्टम ड्यूटी को हटाने का भी ऐलान किया गया है। जाहिर है भारत में मैन्युफैक्चरिंग में इससे मदद मिलेगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

टेक्नॉलजी क्षेत्र में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती रेयर अर्थ और मैग्नेटिक धातुओं की उपलब्धता को लेकर है। भारत के पास रेयर अर्थ का पर्याप्त भंडार होने के बावजूद इसका उत्पादन बहुत कम है। इस कारण आपूर्ति लगभग नगण्य है। चीन इस मामले में काफी आगे है और वह इस समय दुनिया को ब्लैकमेल कर रहा है। चीन लगभग 270,000 टन का इस समय उत्पादन कर रहा है। इस कारण उसका प्रभुत्व स्थापित हो चुका है। अब चूंकि भारत का उत्पादन वैश्विक उत्पादन के 1 प्रतिशत से भी कम है इसलिए औद्योगिक क्षेत्र में कई कमजोरियाँ सामने आ रही हैं। वित्तमंत्री ने बजट में इसकी कमी दूर करने के लिए बड़े कदम की घोषणा की है। दुर्लभ खनिजों के लिए चीन पर निर्भरता कम करने के लिए चार राज्यों-तमिलनाडु, केरल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में रेयर खनिजों के लिए डेडिकेटेड कॉरिडोर स्थापित करने का ऐलान किया गया है। यदि पर्याप्त मात्रा में रेयर अर्थ का उत्पादन शुरू हो जाता है तो भारत कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और यहाँ तक कि फाइटर जेट के उत्पादन में भी आगे हो जाएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए युद्ध ने भारत के लिए रक्षा उत्पादन में भी आत्मनिर्भर होने का संदेश दिया। हम युद्ध अपनी तकनीक और अपने अस्त्र से ज्यादा कारगर तरीके से लड़ सकते हैं। इस बजट में मोदी सरकार ने इस पर बहुत जोर दिया है। 2026-27 का रक्षा बजट पहली बार जीडीपी के 2 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले रक्षा बजट में 15.19 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है। बढ़ा हुआ यह आवंटन न केवल नए तकनीक वाले शस्त्रों के निर्माण को बढ़ावा देगा बल्कि आर्म्ड फोर्स के आधुनिकीकरण में भी तेजी आएगी। किसी भी आपात स्थिति के लिए देश में ही हथियारों और गोला-बारूदों की आपूर्ति होगी। लगभग 2.19 लाख करोड़ के रक्षा बजट में 1.85 लाख करोड़ तो पूंजीगत अधिग्रहण के लिए रखा गया है। यानि हमारी सभी रक्षा जरूरतों के लिए भरपूर संसाधन उपलब्ध रहेगा। आने वाले समय में हम देखेंगे कि देश में अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान भी आएंगे, नई उन्नत किस्म की पनडुब्बियां भी होंगी, घातक ड्रोन का उत्पादन भी हमारे यहाँ शुरू हो जाएगा और स्मार्ट हथियार भी यहीं बनेंगे। भारत दुनिया का रक्षा उत्पादन हब बन सकता है।

(लेखक, आर्थिक विषयों के जानकार और वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

बिहार में रचा जाएगा इतिहास

हिंदू भारतवर्ष के लिए 17 जनवरी का दिन बेहद खास रहा है। बिहार के चकिया-केसरिया पथ पर कैथवलिया में निर्मित विराट रामायण मंदिर में शिवलिंग की स्थापना हुई। जोकि विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग है। इस शुभ मौके पर देवों के देव महादेव का भव्य अभिषेक किया जाएगा। इससे पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु विराट रामायण मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा और भक्ति कर रहे हैं। बता दें कि विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना के लिए विराट रामायण मंदिर में लगभग पूरी तैयारी हो चुकी है।

ऐसे में भगवान शिव की पूजा और अभिषेक के लिए महाभव्य तैयारियां की जा चुकी हैं। ज्योतिषियों की मानें, तो माघ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शिवलिंग की स्थापना

हुई। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यहां की पूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

जानिए कब होगी स्थापना

बता दें कि 17 जनवरी 2026 बिहार के चकिया-केसरिया पथ पर कैथवलिया में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की विराट रामायण मंदिर में स्थापना की जाएगी। वैदिक पंचांग से 17 जनवरी को माघ महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि है। हर महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है।

शिवलिंग स्थापना का मुहूर्त

ज्योतिषियों की मानें, तो मकर संक्रांति के मौके पर सूर्य उत्तरायण होते हैं। उत्तरायण की अवधि देवताओं के लिए दिन का समय होता है। इस दौरान प्रकाश में वृद्धि होने लगती है। इस दिन से युगारंभ भी होता है। वहीं मकर संक्रांति के बाद विराट रामायण मंदिर में विशाल शिवलिंग की स्थापना की जा रही है। इस दिन माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि है। वहीं 17 जनवरी 2026 को मूल और पूर्वाषाढ़ नक्षत्र का भी संयोग है।

जानिए शिवलिंग की विशेषता

विराट रामायण मंदिर में स्थापित होने वाले विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की ऊंचाई 33 फीट है। वहीं शिवलिंग की चौड़ाई 33 फीट है और इसका वजन 210 टन है। इस शिवलिंग में 1008 शिवलिंग होंगे। शिवलिंग के आधार पीठ की लंबाई 36 फीट है। यह स्थापित होने के बाद आधार पीठ की लंबाई 56 फीट हो जाएगी। आधार पीठ को तैयार होने में करीब 2 साल का समय लगा है। वह शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम में हुआ है।

टिप्स

ताजी मटर को छीलने के बाद हफ्ते-भर तक फ्रेश कैसे रखें

खासतौर पर सर्दियों में ताजी मटर खाने का स्वाद बड़ा ही टेस्टी होता है, लेकिन इसको छीलना भी थका देने वाला काम है। कई बार होता है कि हम सभी समय बचाने के लिए एक साथ बहुत सारी मटर छील कर रख देते हैं, लेकिन समस्या तब आती है जब एक-दो बाद ही वे सूखने या उनमें अंकुर भी निकलने लगते हैं। यदि गलती से इन्हें एक-दो के लिए छोड़ दिया जाए, तो यह खराब होने लगते है। मटर की मिठास और ताजगी बरकरार रखने के लिए इसे सही तरीके से स्टोर करना काफी जरुरी है।

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियाँ जो हैं 40 से ऊपर

यदि आप मटर को नमी और हवा से बचाकर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक नरम बनी रहती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान घरेलू तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप छिली हुई मटर को हफ्ते-भर तक फ्रेश स्टोर कर सकती हैं।

मटर को स्टोर करने का बेस्ट तरीका क्या है?

मटर को फ्रेश बनाए रखने के लिए सबसे आसान तरीका है एयरटाइट कंटेनर या जिप-लॉक बैग का यूज कर सकते हैं। इसके लिए मटर छीलने के बाद, उन्हें धोएं नहीं। यदि आप ऐसा करती हैं, नमी के कारण ये जल्दी खराब हो सकती हैं। यदि आप मटर को धो चुकी हैं, तो आप एक सूती कपड़े पर फैलाकर पूरी तरह सुखा लें। इसके बाद इसमें एक एयर टाइट डिब्बे में नीचे टिश्यू पेपर बिछाएं, मटर डालें और ऊपर से भी एक टिश्यू पेपर रखकर ढक्कन बंद कर दें।

मटर को स्टोर करने के लिए अपनाएं तेल वाला नुस्खा

अगर आप चाहते हैं कि आपकी हरी मटर बिल्कुल भी न सूखे, तो एक

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि यह आदिवासी महाकुंभ के रूप में भी जाना जाता है : उपयुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक राजकीय माघी पूर्णिमा मेला इस वर्ष भी पूरी भव्यता के साथ शुरू हो गया है। राजमहल की पावन उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर आयोजित इस मेले में न केवल झारखंड बल्कि असम, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे पड़ोसी राज्यों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु और आदिवासी समुदाय के लोग पहुंच रहे हैं।सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र है राजमहल उपायुक्त हेमंत सती

मेले को संबोधित करते हुए साहिबगंज के उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि राजमहल और साहिबगंज के निवासियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे इस पावन मिट्टी पर निवास करते हैं। जहाँ उत्तरवाहिनी गंगा बहती है।उन्होंने इस स्थान की तुलना प्रयागराज इलाहाबाद के संगम से करते हुए कहा कि राजमहल की उत्तरवाहिनी गंगा का महत्व और पवित्रता किसी भी मायने में कम नहीं

है।उपायुक्त हेमंत सती ने विशेष रूप से आदिवासी समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि दूर-दराज के प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालु यहाँ गंगा पूजन करते हैं और यहाँ का पवित्र जल अपने धार्मिक स्थलों जैसे जाहिर स्थान पर अर्पण करते हैं।जो हमारी समृद्ध संस्कृति का द्योतक है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी

स्वच्छता और प्रकाश पूरे मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था और पर्याप्त रोशनी के लिए लाइट्स लगवाई गई है।सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम के समय विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिलेगा।प्रशासनिक मुस्तैदी बेहतर विधि-व्यवस्था के लिए मैजिस्ट्रेट्स और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई हैं।सुरक्षा के कड़े इंतजाम 20 पुलिस पोस्ट तैनात श्री अमित कुमार पुलिस अधीक्षक साहिबगंज मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है।उन्होंने बताया कि:सघन गश्त रात के समय सुनसान और संवेदनशील इलाकों में बाइक पेट्रोलिंग के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया हैं।पुलिस चौकियाँ पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा की निगरानी के लिए 20 विशेष पुलिस पोस्ट स्थापित किए गए है।यातायात प्रबंधनः वाहनों के आवागमन को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट को प्राथमिकता दी गई है। जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो,पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पूरे उत्साह और शांति के साथ मेले का आनंद लें और प्रशासन का सहयोग करें।आदिवासी महाकुंभ का आकर्षण,राजकीय माघी पूर्णिमा मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि यह आदिवासी महाकुंभ के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ विभिन्न राज्यों से आने वाले आदिवासी भाई-बहन अपनी पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ-साथ अपनी कला और संस्कृति का प्रदर्शन भी करते हैं। प्रशासन ने मीडिया बंधुओं का भी आभार व्यक्त किया, जिनके माध्यम से इस ऐतिहासिक मेले की गूँज दूर-दूर तक पहुँच रही है।

गरीबों को उन्नति की राह पर बढ़ाने वाला है बजट : आलोक

मेदिनीनगर : डालटनगंज से युवा विधायक आलोक चौरसिया ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार के बजट को गरीबों को उन्नति के राह पर लेकर बढ़ाने वाला बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि बजटीय प्रावधान में केंदू पता पर कराधान कम किया गया है जिसका लाभ पलामू के गरीबों को मिलेगा। इस अलावा किसानों के आय बढ़ाने के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य सेवा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, खनन आदि को प्रोत्साहित करने का विशेष प्रावधान किया गया है। पूर्वी भारत के विकास के लिए आर्थिक कोरिडार का प्रावधान किया गया है। इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

तेज विकास के विकास पर्यावरण चुनौती और मानसिक बीमारी बढ़ने का खतरा भी है, जिसे ध्यान में रखकर रांची के रिम्स को क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने का भी प्रावधान किया गया है। पर्यावरण अनुकूल रखने की पहल की गई है।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत प्रखंड मंडरो में कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड मंडरो एवं आकांक्षी जिला साहिबगंज के चयनित 6 इंडिकेटर लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक भवन मंडरो में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पशुपालन सहित विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोरेन विधायक बोरियो विधानसभा क्षेत्र उपस्थित रहे। उनके साथ जिला योजना पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मंडरो ने संयुक्त रूप से सभी इंडिकेटरों पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि भारत सरकार द्वारा इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 3 माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी विभागों के पदाधिकारी कर्मियों जन प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। यह भी जानकारी दी गई कि अभियान को जन-जन तक पहुँचाने एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। उपस्थित अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सम्पूर्णता अभियान 2.0 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने में योगदान दें।कार्यक्रम में अनूप कुमार, जिला योजना पदाधिकारी; मेघनाथ उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मंडरो; प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मनीष कुमार, आकांक्षी प्रखंड फेलो नीति आयोग अभिषेक कुमार; रजिया बेगम अभिषेक आनंद, बीपीओ-मनरेगा एहसान अहमद, बीपीओ-शिक्षा; अमन भारती, बीपीओ-स्वास्थ्य; मिथुन, संजय, आशित ऑपरेटर सहित प्रखंड के पंचायत सचिव, जनसेवक रोजगार सेवक, आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका, स्वास्थ्य सहिया और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि सामूहिक प्रयासों से सम्पूर्णता अभियान 2.0 के सभी लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा।

नया भारत का बजट भारत को विकसित बना दे वाले बजट

देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश की बजट

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के स्वामी विवेकानंद चौक स्थित राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा के आवासीय कार्यालय में केन्द्रीय बजट का लाइव देखा गया यह बजट सभी वर्गों का खास ध्यान रखा गया है।रोजगार बढ़ाने पर जोर जैविक दवाई बनाने पर जोर चार राज्यों में खनिज कॉर्डियर केमिकल पार्कों का निर्माण देसी कपड़ों के लिए विशेष पहल खेलकूद सवालों के लिए विशेष पहल एमएसएमई के लिए 10000 करोड़ आत्म निर्भर भारत के लिए कॉल 5 लाख वाला आबादी वाले शहर का विकास करदाता के लिए अलसी क्रीम गारंटी 5 साल में 20 नए जलमार्ग शुरू होंगे खेलकूद के

सामानों में विशेष छूट इलेक्ट्रॉनिक सामान सस्ते।कैंसर की दवाई पर छूट रेलवे में विशेष ध्यान।रक्षा बजट पर भी विशेष ध्यान दिया गया जो विशेष पहल। 20 नए जल मार्ग,इस अवसर पर साहिबगंज भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सह बजट संयोजक राजेश मंडल, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार,जिला उपाध्यक्ष रामानंद शाह,प्रदेश कार्य समिति गणेश प्रसाद तिवारी,प्रदेश का समिति धर्मेंद्र कुमार,संगीता कुमारी,आईटी सेल जिला संयोजक अनुराग राहुल,नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी,साहिबगंज ग्रामीण महामंत्री ओम प्रकाश पांडे, युवा मोर्चा कार्यालय मंत्री जयकांत वर्मा, जिला कार्यालय मंत्री गौतम कुमार पंडित, मुकेश कुमार, अरेंदुबॉस, दिनेश पांडे, अरविंद सिन्हा शामिल हुए।

नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब ने 7 विकेट से जीता मैच

संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत रविवार को राजमहल बी बनाम नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। राजमहल सीनियर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 112 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मो इस्बाहुल हक ने 52 व राजुकमार घोष ने 22 रन की पारी खेली। नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के गेंदबाज सूरज राज, सोनू कुमार साह, अभिषेक कुमार ने 3-3 विकेट लिए।जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब ने 12.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 114 रन बना कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। राहत रजा ने 52,

अश्विन यादव ने 22 व बन्नी मंडल ने 15 रन बनाए। राजम सीनियर के गेंदबाज हलीम, राजकुमार व साहिल ने 1-1 विकेट लिए। नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी सोनू कुमार साह को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया।

मुख्य अतिथि राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने सोनू साह को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग हयातुल्लाह व तारीक अनवर ने किया।जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन ने किया। मौके पर प्रो सुबोध झा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा,टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, चंदन यादव सहित अन्य मौजूद थे। टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि सोमवार को माही ब्लू बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच मैच खेला जाएगा।

नाला सफाई नहीं होने से बीमारी फैलने की आशंका स्थानीय लोग परेशान

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित वार्ड नंबर 21 पूर्वी फाटक के समीप सरकार के द्वारा बनाए गए नल का साफ सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों को बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। इस संदर्भ में स्थानीय लोग मनोज कुमार शाह जयकांत सिंह,दीपक कुमार,रुपेश कुमार,मनोज कुमार अवध राम ने बताया कि नगर परिषद को लिखित रूप में आवेदन भी दिया गया।लेकिन अब तक नाला की सफाई पूर्ण तरह से नहीं किया गया है।जबकि सफाई कर्मचारी आते हैं वह केवल औपचारिकता पूरी करके चले जाते हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि नगर परिषद पदाधिकारी और पुलिस बल के साथ स्लैब को उठाकर साफ सफाई किया जाए।जिससे कोई भी रोक लगता है तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किया जा सके।हालांकि हमलोगों के द्वारा प्रतिवर्ष टैक्स भी देते हैं इस ओर ध्यान नहीं देना जनता के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है जाम नाला भरा हुआ रहता है तो नाला का पानी घर में प्रवेश हो जाता है।जिससे अनेकों तरह की बीमारी भी फैल रहा है अगर नगर परिषद ध्यान नहीं देंगे तो हमलोग नगर परिषद चुनाव में वोट बहिष्कार करेंगे। नगर परिषद पदाधिकारी सिर्फ खानापूर्ति करवाने का काम कर रहे हैं। जबकि प्रतिवर्ष नगर परिषद की ओर से टैक्स में बढ़ोतरी भी किया जा रहा है टैक्स भी ले रहे हैं।काम के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति कर रहे हैं।हम जनता जाएं तो जाए कहां किस पदाधिकारी से मिले जिससे यह सफाई का काम हो सकेगा।लोगों ने कहा की सफाई होगा कि नहीं यह बात भी सोचने वाली है।

पूर्णिमा तिथि पर मां गंगा की हुई भव्य आरती

संवाददाता

साहिबगंज : संध्या मे माघी पूर्णिमा के अवसर पर साहेबगंज स्थानीय मुक्तेश्वर धाम,सीढ़ी घाट पर मां गंगा सेवा समिति की ओर से प्रत्येक माह पूर्णिमा तिथि के अवसर पर मां गंगा की भव्य आरती की गई।जहा पंडित धनेश तिवारी एवं पंडित वेदानंद पाण्डेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती की गई।पूरा गंगा तट भक्तिमय माहौल एवं हर हर गंगे,जय मां गंगे,हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।इस शुभ अवसर पर मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय,शशि कुमार सुमन,अमित केसरी,संदीप अवस्थी,विनोद चौधरी,गौतम पंडित,मुकेश राज,धर्मेंद्र मंडल,रोहित कुमार,सिद्धार्थ कुमार,अरविंद सिंह,मनोहर शर्मा, किशोर राम,जय प्रकाश वर्मा,मुकेश, स्वरूप चटर्जी आदि कई महिला एवं पुरुष श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

भारतीय रेल के एकीकृत ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवन ऐप के संबंध में विस्तृत जानकारी दी

संवाददाता

साहिबगंज : डिजिटल इंडिया मिशन की भावना के अनुरूप पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा में वृद्धि हेतु डिजिटल सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा श्री कार्तिक सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा के पर्यवेक्षण में एक फरवरी को साहिबगंज और तीनपहाड़ रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप डिजिटल टिकटिंग जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।अभियान के दौरान यात्रियों को भारतीय रेल के एकीकृत ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवन ऐप के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से अनेक यात्री सुविधाएं एक ही मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध हैं।इस अवसर पर वाणिज्य निरीक्षकों एवं टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा यात्रियों से संवाद स्थापित कर उन्हें रेलवन ऐप डाउनलोड करने, मोबाइल में इंस्टॉल करने तथा पंजीकरण रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को मौके पर ही पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया गया। यात्रियों को ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग की सरल एवं चरणबद्ध जानकारी भी दी गई।अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के मोबाइल फोन में स्वयं ऐप डाउनलोड कराकर उनका सफल पंजीकरण कराया गया तथा ऐप के उपयोग में आने वाली आवश्यक जानकारियाँ व्यावहारिक रूप से समझाई गईं। इस पहल के माध्यम से आसान, कागजरहित, नकदरहित एवं कतार-मुक्त टिकटिंग प्रणाली के लाभों पर विशेष जोर दिया गया।अभियान के दौरान रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताओं एवं लाभों से यात्रियों को अवगत कराया गया।एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों की बुकिंग, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्थिति एवं कोच पोजीशन की जानकारी प्लेटफॉर्म टिकट की डिजिटल बुकिंग सुविधा,डिजिटल भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकटों पर 3% की छूट आर-वॉलेट रिचार्ज पर 3% बोनस की सुविधा, खानपान सेवाएं, रिफंड आवेदन, रेल मदद एवं यात्रा फीडबैक की सुविधा यात्रियों को समय की बचत, पर्यावरण संरक्षण एवं सुगम यात्रा अनुभव को ध्यान में रखते हुए रेलवन ऐप के अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रेरित किया गया।डिजिटल इंडिया की परिकल्पना के अनुरूप, मालदा मंडल की यह पहल यात्री सेवाओं के आधुनिकीकरण एवं यात्री-केंद्रित सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

हर्षवर्धन राणे ने आगामी फिल्म सिला के निर्देशक ओमंग कुमार की तारीफ की

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिला को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में हर्षवर्धन के साथ सादिया खतीब और करणवीर मेहरा नजर आएंगे। आज हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म की शूटिंग को लेकर जानकारी शेयर की है।

हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर वियतनाम से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जहां पर वो अपनी आगामी फिल्म सिला की शूटिंग कर रहे थे। आज से वियतनाम का शूटिंग शैड्यूल खत्म हो चुका है। हर्षवर्धन राणे ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, जब मुश्किल हो तब मत रुको, तब रुको जब काम पूरा हो जाए।

हर्षवर्धन राणे ने इसी पोस्ट में अपनी फिल्म सिला के निर्देशक ओमंग कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, वियतनाम का शेड्यूल डायरेक्टर ओमंग सर ने बखूबी निभाया। इसके आगे हर्षवर्धन ने अपनी पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए लिखा, पूरी टीम– निर्देशन, कैमरा टीम, प्रोडक्शन, कॉस्ट्यूम, एचएमयू, आर्ट, साउंड, पोर्टर्स, प्रोड्यूसर्स और अधिकारियों को बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके साथ ही हर्षवर्धन ने फिल्म के बाकी सह कलाकारों के बारे में लिखा, सादिया, इप्सिता और करण का खासतौर पर जिक्र करना चाहूंगा, उनकी प्रतिभा और काम करने के तरीके से मैं बहुत प्रभावित हुआ। सिला ओमंग कुमार द्वारा निर्देशित आगामी बॉलीवुड रोमांटिक-एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में हर्षवर्धन के अलावा सादिया खतीब और करणवीर मेहरा भी अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज निर्मित कर रहा है। इस फिल्म का निर्माण जुलाई 2025 में शुरू हुआ और इसे 2026 में रिलीज करने की योजना है, जिसमें वियतनाम में फिल्माए गए सीन शामिल हैं।

'दलदल' में रीटा फरेरा के किरदार से समानता महसूस करती हूं

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है। इस बार अभिनेत्री एक डीसीपी के रूप में क्राइम से लड़ती नजर आएंगी। इस इंटरव्यू में भूमि ने दलदल की कहानी में दिखाए गए समाजिक मुद्दों समेत इस सीरीज में अपने किरदार और उसके पीछे की गंभीरता के बारे में भी चर्चा की। बातचीत में भूमि ने यह भी बताया कि किस तरह वो अपने किरदार के साथ रिलेट करतीं हैं।

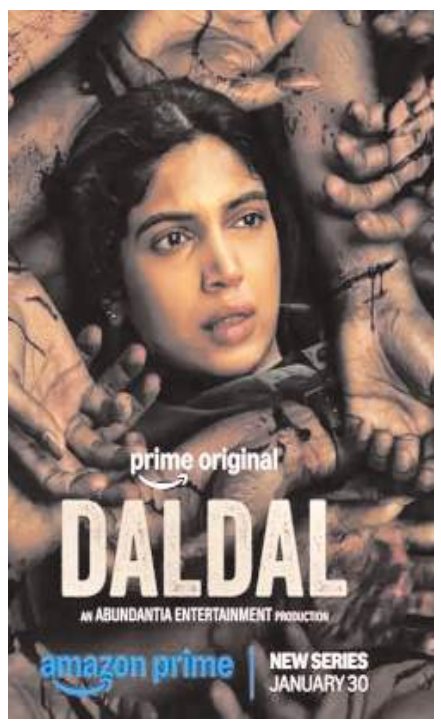

क्यों अलग है 'दलदल' सीरीज?

भूमि पेडनेकर ने इस इंटरव्यू में 'दलदल' के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो का अनुभव वैसा ही है जैसे आप किसी चीज में फंसते चले जा रहे हों वही घुटन, वही बेचैनी, वही क्लॉस्ट्रोफोबिक सी फीलिंग। मेरा किरदार उस भावना को बहुत अच्छी तरह समझाता है। हालांकि शो में एक तरह की डार्कनेस है लेकिन इसके साथ ही हल्कापन भी है। यह एक बहुत इंटेलिजेंट और मनोवैज्ञानिक क्राइम ड्रामा है। इस जॉनर में कई शो आए हैं लेकिन फूली फील्स की राइटिंग इसमें एक अलगपन लेकर आती है।

किन मायनों में अलग है रीटा फरेरा का किरदार?

'दलदल' में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के बारे में भूमि ने कई बातें बताईं। भूमि ने कहा, रीटा अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार है, लेकिन वर्दी में और वर्दी के बाहर उसका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग दिखता है। उसके भीतर गहरी डार्कनेस है, बहुत सा ट्रॉमा है जिससे वह पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई। यही इस शो की जड़ है कि हम सब अपने बचपन के घावों को ठीक से संभाल नहीं पाते हैं। इसी कमी ने उसे हर तरह की खुशी से दूर कर दिया। उसके अंदर गुस्सा भी है, हिंसा भी है और उतनी ही गहरी संवेदनशीलता भी। यही उसका दलदल है और यही वह जाल है जिसमें इस शो का हर किरदार अपने अपने तरीके से फंसा हुआ है।

रीटा के व्यक्तिव से समानता महसूस करती हूं

भूमि पेडनेकर ने अमर उजाला को दिए इस इंटरव्यू में अपने और रीटा फरेरा के बारे में बताया, मैं यानी भूमि खुद को रीटा से जिस एक चीज के जरिए जोड़ पाती हूं वह है काम के प्रति उसकी ईमानदारी। रीटा की तरह मेरे अंदर भी अपने काम को लेकर गहरी सच्चाई है। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि अपने किरदार को जितनी ईमानदारी और सच्चाई से निभा सकूं निभाऊं। शायद यही वह जगह है जहां मैं और रीटा एक दूसरे से मिलते हैं। उसकी तरह मैं भी अपने काम में पूरी तरह डूब जाती हूं।

फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका

'जवान' फेम निर्देशक एटली इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं है। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अब एटली ने फिल्म को लेकर बात की है। बातचीत के दौरान एटली ने

इस फिल्म को लेकर बताया कि टीम फिल्म पर काफी मेहनत कर रही है। इसके बारे में बात करने के लिए उतनी ही उत्साहित है, लेकिन सही समय का इंतजार कर रही है। हर दिन हमें कुछ न कुछ नया पता चल रहा है। मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है। सच कहूं तो, अपने दर्शकों से भी ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने के लिए उत्सुक हूं। हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद हराम कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम उतने ही उत्साहित हैं। हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। एक बार यह बन जाए, तो यकीन मानिए, हर कोई इसका भरपूर आनंद उठाएगा।

'जवान' के बाद फिर से दीपिका पादुकोण के साथ काम करने पर एटली ने कहा कि हां, वो मेरी लकी चार्म हैं। दीपिका के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है और उनके साथ काम करना बेहद शानदार है। वो लाजवाब हैं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पर आपको एक बिल्कुल अलग दीपिका देखने को मिलेंगी।

टैलेंट से सफल अभिनेत्री और गायिका बनी हैं श्रुति हासन

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है।

हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं।

आईओसी अध्यक्ष ने कहा- आईसीई और एपस्टीन फाइलें शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटकाने वाली

एजेंसी

मिलान : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने कहा है कि अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर उठे मुद्दे आगामी मिलानोझकोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटका रहे हैं, जो 'दुखद' है। मिलान में रविवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईओसी अधिकारियों से इन विषयों पर सवाल पूछे गए। कोवेंट्री ने शुरूआत में इन्हें आईओसी के दायरे से बाहर का विषय बताया, लेकिन जोर देने पर उन्होंने माना कि ऐसी खबरें खेलों से फोकस हटाती हैं। कोवेंट्री ने कहा, ह्लइन खेलों से ध्यान भटकाने वाली कोई भी चीज दुखद है। लेकिन वर्षों के अनुभव से हमने सीखा है कि खेलों से पहले हमेशा कोई न कोई मुद्दा सुर्खियों में आ जाता है–चाहे वह जीका रहा हो या कोविड। मगर मुझे भरोसा इस बात से

मिलता है कि जब उद्घाटन समारोह होगा और खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू करेंगे, तब दुनिया फिर से खेलों के जादू और भावना को याद करेगी। शनिवार को मिलान में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शीतकालीन ओलंपिक के दौरान आईसीई एजेंटों की तैनाती के विरोध में प्रदर्शन किया। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि एजेंट सड़कों पर नहीं, बल्कि एक नियंत्रण कक्ष में तैनात रहेंगे। इसी बीच, एपस्टीन से जुड़ी सरकारी फाइलों के हालिया खुलासे में वर्ष 2003 के कुछ ईमेल सामने आए हैं, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक आयोजन समिति के प्रमुख केसी वासरमैन और एपस्टीन की तत्कालीन साथी घिस्लेन मैक्सवेल के बीच बताए जा रहे हैं।

आईसीई एजेंटों की मौजूदगी पर पूछे गए सवाल पर कोवेंट्री ने कहा, ह्लहमारे पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर मुझे लगता है कि अमेरिकी प्राधिकरणों ने आवश्यक स्पष्टीकरण दे दिए हैं। सुरक्षा से जुड़े इस पहलू पर हमें आगे टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। हम खेलों का इंतजार कर रहे हैं।

वासरमैन के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, ह्लइस पर कल चर्चा नहीं हुई थी। वासरमैन अपना बयान दे चुके हैं और हमारी ओर से इसमें कुछ जोड़ने को नहीं है।

फाइलों में आईओसी के दो सदस्यों के नाम भी आए हैं–रिचर्ड कैरियन और जोहान एलियाश–हालांकि किसी भी तरह की गलत भूमिका का कोई संकेत नहीं है। इस पर कोवेंट्री ने कहा, ह्लहम मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर रख रहे हैं और सामने आई जानकारी को समझने के लिए समय चाहिए।

टी20 विश्व कप अभ्यास मैचों के लिए इंडिया-ए टीम घोषित, आयुष बडोनी कप्तान; तिलक वर्मा की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली : आगामी टी20 विश्व कप से पहले होने वाले अभ्यास मुकाबलों के लिए इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी गई है। आयुष बडोनी को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि तिलक वर्मा चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं।

इंडिया-ए टीम पहला अभ्यास मैच सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका (यूएसए) के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम शुक्रवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में नामीबिया से भिड़ेगी।

पेट से जुड़ी समस्या के कारण सर्जरी कराने वाले तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। वह अमेरिका के खिलाफ अभ्यास मैच में खेलेंगे और उसके बाद सीनियर टीम से

जुड़ जाएंगे। 15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम में कई आईपीएल खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें नमन धीर, विप्रज निगम और मयंक यादव प्रमुख हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त टी20 सीरीज से बाहर रहे वॉशिंगटन सुंदर को एक बार फिर टीम में जगह नहीं मिली है। वह अभी चोट से उबर रहे हैं और जल्द ही फिटनेस टेस्ट से गुजरने की उम्मीद है।

बिहार विधानमंडल का बजट सत्र शुरू, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

एजेंसी

बिहार : बिहार विधानमंडल का बजट सत्र सोमवार को सुबह 11 बजे शुरू हुआ। सत्र के पहले दिन राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों का विस्तृत उल्लेख किया। अपने अभिभाषण में उन्होंने नवंबर 2005 में नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में हुए व्यापक बदलावों को रेखांकित किया। राज्यपाल ने कहा कि लंबे समय तक बिहार शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भारी कमी से जूझता रहा, लेकिन इस दिशा में सरकार ने ठोस कदम उठाए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 से पहले बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के माध्यम से दो लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली की गई। इन नियुक्तियों का उद्देश्य राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बिहार में कुल शिक्षकों की संख्या बढ़कर 5 लाख 24 हजार तक पहुंच चुकी है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। शिक्षा क्षेत्र में किए गए इन सुधारों का सकारात्मक असर यह हुआ है कि राज्य में स्कूलों और अन्य शिक्षण संस्थानों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता शिक्षा के हर स्तर पर सुधार लाने की है, ताकि सभी छात्रों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वर्तमान में राज्य में कुल एक लाख 31 हजार पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार देश का ऐसा राज्य बन गया है, जहां सबसे अधिक महिला सिपाहियों की भर्ती की गई है।

राज्यपाल ने बताया कि पुलिस बल की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ किया गया है। पहले राज्य में कुल 814 पुलिस थाने और चौकियां थीं, जिनकी संख्या बढ़ाकर अब 1,380 कर दी गई है। इसका उद्देश्य जनता को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

अपने अभिभाषण में राज्यपाल ने प्रशासनिक सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और आम जनता के लिए सुलभ बनाने के लिए कई नई योजनाएं और पहल शुरू की हैं। ये सभी कदम राज्य के समग्र विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदन में मौजूद विधायकों ने सरकार की नीतियों और विकास कार्यों की सराहना की।

अन्तःफसली खेती को मिशन मोड में लागू करें, अन्नदाता की आय में होगा कई गुना इजाफा : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश को कृषि क्षेत्र में नई छलांग दिलाने का सबसे प्रभावी तरीका 'गन्ना के साथ तिलहनी एवं दलहनी अन्तःफसली खेती' को बड़े पैमाने पर लागू करना है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल गन्ना किसानों की आय को केवल दोगुना नहीं, बल्कि 'बहु-गुणित' करने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री सोमवार को इस विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी कहा कि गन्ने के साथ सरसों, मसूर, उर्द और मूंग जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की अंतःफसल किसानों को अतिरिक्त उत्पादन, कम लागत और पूरे वर्ष स्थिर आय उपलब्ध कराती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि योग्य भूमि का क्षैतिज विस्तार अब संभव नहीं है, इसलिए ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य के लिए उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र रास्ता इकाई क्षेत्रफल से अधिक फसल उत्पादन है। उन्होंने कहा कि 'गन्ना आधारित अंतःफसली खेती उत्तर प्रदेश के कृषि भविष्य का नया मॉडल है। यह किसानों को अधिक उत्पादन, अधिक कमाई और जोखिम से सुरक्षा तीनों प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री ने इस योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक मिशन मोड में लागू करने के निर्देश दिए। वर्तमान में प्रदेश में 29.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है, जिसमें 14.64 लाख हेक्टेयर नया बोया गया क्षेत्र और 14.86 लाख हेक्टेयर पेड़ी शामिल है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्षेत्र में तिलहन और दलहन की अंतःफसल जोड़ने से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और साथ ही प्रदेश एवं देश की तिलहन-दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से क्रियान्वित करते हुए अंतःफसल का चयन वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक आधार पर किया जाए। उन्होंने आईआईएसआर की सिफारिशों के अनुसार रबी सीजन में सरसों और मसूर तथा जायद सीजन में उर्द और मूंग को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ने की पैदावार प्रभावित किए बिना अतिरिक्त फसल, अतिरिक्त लाभ और अतिरिक्त सुरक्षा, यही इस मॉडल की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने इस योजना के लिए वर्षवार रोडमैप तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अतिरिक्त उत्पादन सीधे किसानों की आय में वृद्धि करेगा और राज्य के जीवीए में बड़ा योगदान देगा।

ब्रजेश पाठक करेंगे बलरामपुर चिकित्सालय के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश कीराजधानी लखनऊ स्थित बलरामपुर संयुक्त चिकित्सालय का 157वां स्थापना दिवस समारोह 3 फरवरी को अस्पताल परिसर में मनाया जाएगा। स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अस्पताल परिसर में एक लिफ्ट और सोलर पैनल का भी उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी बलरामपुर संयुक्त चिकित्सालय की निदेशक डॉक्टर कविता आर्य ने सोमवार को दी। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि पद्मश्री डॉक्टर यससी राय की स्मृति में एक सेमिनार का आयोजन किया गया है। इस सेमिनार को चेस्ट रोग विशेषज्ञ पद्मश्री प्रोफेसर डॉ राजेंद्र प्रसाद संबोधित करेंगे। डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि नेत्र शल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं यूरोलॉजी जैसी विशेष सेवा में निरंतर वृद्धि हुई है। गरीब और आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल के सीएमओ ने बताया कि अस्पताल में हमारे यहां पहले 6 डायलिसिस मशीन कार्यरत थीं, वर्तमान में 15 मशीनों पर डायलिसिस हो रही हैं।

अस्पताल की उपलब्धियां की चर्चा करते हुए बलरामपुर चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर देवाशीष शुक्ला ने बताया कि विगत वर्ष 2025 में ओपीडी में 10 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया गया। वहीं इमरजेंसी सेवाओं में सवा लाख मरीजों का उपचार किया गया। डॉ देवाशीष शुक्ला ने बताया कि बलरामपुर अस्पताल में पैथोलॉजी जांच बढ़कर 48 लाख से अधिक हो गई हैं। सीटी स्कैन 9000 हुई, अल्ट्रासाउंड जांच 30 हजार, डायलिसिस 20 हजार और एक 27 हजार से अधिक प्रतिवर्ष हो रही।

कार्यकताओं के समर्पण को रेखांकित करेगा अटल स्मृति भवन : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

एजेंसी

कोरबा : कोरबा शहर में फटीलाइजर कापोर्रेशन ऑफ इंडिया के गोडाउन के पास आकार लेने जा रहे भारतीय जनता पार्टी के नए विशाल कार्यालय भवन का भूमिपूजन और शिलान्यास आज सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अन्य अतिथियों की उपस्थिति में किया। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नागरिक इस कार्यक्रम के साक्षी बने। पूजा अर्चना करने के साथ मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन किया व शिलान्यास की प्रक्रिया पूरी की। कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऊर्जानगरी कोरबा में भाजपा का विशाल कार्यालय अटल स्मृति भवन के नाम से तैयार हो रहा है। हजारों कार्यकताओं और पदाधिकारियों की इच्छाशक्ति से न केवल निर्णय लिया गया बल्कि इसे क्रियान्वित भी किया जाना है। सबसे बड़ी बात यह है कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी की कार्यकताओं और शुभचिंतकों के अंशदान से यह आकार लेगा।

इसके साथ ही लंबे समय तक कार्यकताओं के समर्पण को रेखांकित भी करेगा। मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि छत्तीसगढ़ में यह भवन काफी विशाल होगा और सर्वसुविधाओं से युक्त होगा। संगठन के विस्तार के साथ कार्यक्रमों की अधिकता के लिए नया भवन जरूरी हो गया है। इसके बन जाने से कार्यों को करने में आसानी होगी। उन्होंने अटल स्मृति भवन निर्माण के संकल्प के लिए केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन उनकी टीम और सभी कार्यकताओं को बधाई दी और कहा कि आपका यह काम सफल भी होगा। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संक्षिप्त संबोधित किया।

केरल के विपक्षी सांसदों का संसद भवन के बाहर प्रदर्शन, केंद्रीय बजट में उपेक्षा का आरोप

नई दिल्ली : केंद्रीय बजट में केरल की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस विरोध में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत कई सांसद शामिल हुए। सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सांसदों ने आरोप लगाया कि बजट राज्य के साथ भेदभाव वाला है और उसकी मुख्य मांगों को पूरा करने में नाकाम रहा है। इन सांसदों ने बजट को ह्लकेरल विरोधी बजटह्व करार देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने आवंटन और नीतिगत प्राथमिकताओं में विशेषकर केरल और तमिलनाडु की अनदेखी की है। इसके अलावा केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर इस तथ्य को नजरअंदाज किया कि केरल भी भारत के नक्शे का हिस्सा है।

हिमाचल में बर्फबारी से शीतलहर तेज, चार फरवरी से खुलेगा मौसम

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बर्फबारी और बारिश ने पूरे राज्य में ठंड का प्रकोप बढ़ा दिया है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ गिरने से शीतलहर तेज हो गई है, जबकि कई स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया। मौसम विभाग के मुताबिक आज और कल (2 व 3 फरवरी) भी कुछ इलाकों में बारिश और बर्फबारी के आसार बने रहेंगे, लेकिन 4 फरवरी से 7 फरवरी तक पूरे राज्य में मौसम साफ रहने की संभावना है। ताजा आंकड़ों के अनुसार लाहौल-स्पीति और किन्नौर के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 7.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि कुकुमसेरी में तापमान माइनस 6.6 डिग्री, कल्पा में माइनस 3.8 डिग्री और मनाली में माइनस 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। इन इलाकों में रात के समय जबरदस्त ठंड महसूस की गई।

मनाली और मंडी में शीतलहर का खासा असर रहा। मनाली में शीत दिवस की स्थिति बनी रही, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहा। मंडी में भी ठंडी हवाओं और कम तापमान के चलते लोग दिनभर गर्म कपड़ों में नजर आए। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी दर्ज की गई। कुल्लू जिला के कोठी में करीब 15 सेंटीमीटर, कल्पा में 13.6 सेंटीमीटर, सांगला में 10.5 सेंटीमीटर, जोत में 6.5 सेंटीमीटर, केलोंग में 3 सेंटीमीटर और मनाली में 2.5 सेंटीमीटर बर्फ गिरी। इसके अलावा कुफरी क्षेत्र में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू

एजेंसी

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की प्रयोगात्मक परीक्षाएं मुरादाबाद जनपद में सोमवार से प्रारंभ हो गई। प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए जिले में 249 परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। सीसीटीवी के माध्यम से प्रयोगात्मक परीक्षाएं ऑनलाइन निगरानी में संपन्न हो रही हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) देवेंद्र कुमार पांडे ने आज बताया कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षाएं जिले के 294 केंद्रों पर सम्पन्न होंगी। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षा में 77613 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। जिसमें इंटरमीडिएट में 37838 परीक्षार्थी और हाई स्कूल में 39755 शामिल है। प्रयोगात्मक परीक्षाएं नकलविहीन संपन्न हो सके इसके लिए सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से ऑनलाइन निगरानी की जा रही है वहीं प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। डीआईओएस ने आगे बताया कि प्रयोगात्मक परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। किसी भी केंद्र की कोई शिकायत मिलेगी तो ऑनलाइन डाटा मंगवाया जाएगा। यूपी बोर्ड परीक्षाओं की निगरानी के लिए जनपद में करीब 4500 कक्ष निरीक्षक लगाए जाते हैं। इस वर्ष की परीक्षाओं में ड्यूटी लगाने के लिए सभी 112 केंद्रों से उनके यहां कक्ष निरीक्षकों की जरूरत के हिसाब से जानकारी मांगी गई है। अधिकारियों के अनुसार प्रत्येक केंद्र की मांग के अनुरूप कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 6,939.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 225.21 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,459.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 396.07 अंक यानी 0.81 प्रतिशत लुढ़क कर 48,496.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,223.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत उछल कर 8,126.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 229.35 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,538.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 136.50 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,922.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 560.85 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,762 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.37 प्रतिशत फिसल कर 4,886.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 447.75 अंक यानी 5.38 प्रतिशत लुढ़क कर 7,881.86 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स ने भी आज जबरदस्त गोता लगाया है। फिलहाल यह सूचकांक 272.07 अंक यानी 5.21 प्रतिशत टूट कर 4,952.29 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 656.11 अंक यानी 2.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,731 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 641.17 अंक यानी दो प्रतिशत की गिरावट के साथ 31,422.58 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.32 प्रतिशत टूट कर 4,063.54 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत फिसल कर 1,315.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

महुआडाबरा क्षेत्र में पेयजल संकट से राहत मिलेगी

उधमसिंहनगर : पेयजल संकट से जसपुर विधानसभा के महुआडाबरा क्षेत्र के लोगों को जल्द निजात मिल सकेगी। इसके लिए पेयजल संसाधन विकास व निर्माण निगम डीपीआर तैयार कर रहा है। करीब 35 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना के बनने से साढ़े ग्यारह से अधिक आबादी को पेयजल संकट से निजात मिलेगा। महुवाड़ाबरा क्षेत्र में अभी तक लोग हैंड पंपों पर पेयजल आपूर्ति के लिए निर्भर हैं। महुवाडाबरा क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल लाइनों को बिछाने की मांग की जा रही थी। ऐसे में अब पेयजल विभाग इस कार्ययोजना पर नवीन बाह्य सामयिक योजना के तहत काम कर रहा है। गांव में ही ओवरहेड टैंक बनकर लगभग 1800 घरों में सीधे पेयजल लाइनें पहुंचाई जाएगी। एक ओवर हैड टैंक की क्षमता 1400 किलो लीटर होगी। पेयजल निगम के अधिकारियों के मुताबिक जल्द डिजाइन बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। इस क्षेत्र में लंबे समय से पेयजल लाइनों की मांग की जा रही है। विभाग 35 करोड़ की लागत की डीआरपी बना रहा है। यह योजना वर्ल्ड बैंक की मदद से बनाई जा रही है। - वीके पाल, अधिशासी अभियंता, पेयजल निगम

निम की टीम साउथ अमेरिका के माउंट अकोंकागुआ पर फहरायेगी तिरंगा

उत्तरकाशी : नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के छह सदस्यीय दल ने दक्षिण अमेरिका स्थित माउंट अकोंकागुआ (6,962 मीटर) के लिए ऐतिहासिक अभियान का सोमवार को शुभारंभ किया। पर्वतारोहण टीम दक्षिण अमेरिका की सर्वोच्च चोटी माउंट अकोंकागुआ जो एशिया के बाहर विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत है, के लिए अपने अभियान की शुरूआत की है।

जानकारी देते हुए प्रवीन कुमार रजिस्ट्रार निम, उत्तरकाशी ने बताया कि सोमवार को निम की टीम सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गये है, अभियान संयुक्त रूप से नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी , जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान, पहलगाम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस संयुक्त अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च ऊँचाई पर्वतारोहण का अनुभव प्राप्त करना है तथा दोनों देशों के मध्य पर्वतारोहण के सहयोग तथा समन्वय को और सुदृढ़ करना जो करीब 30 दिनों तक चलेगा है। इस अभियान दल में कर्नल हेम चंद्र सिंह, प्रधानाचार्य, निम, उत्तरकाशी दल प्रमुख, कैप्टन संतोष कुमार, आरएमओ, कार्यवाहक उपप्रधानाचार्य, निम, उत्तरकाशी-उप प्रमुख, दीप बहादुर साही, विनोद गुसाई, नायब सूबेदार भूपिंदर सिंह, वीएसएम व हवलदार रमेश कुमार शामिल है। इस अभियान के प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण मानकों एवं प्रोटोकॉल के अनुसार माउंट अकोंकागुआ (6,962 मीटर) का सफल आरोहण। एंडीज पर्वतमाला की परिस्थितियों, लॉजिस्टिक्स तथा अत्यधिक ऊँचाई पर मानव शरीर की प्रतिक्रिया का अनुभव प्राप्त करना। भारतीय पर्वतारोहण प्रशिक्षकों के व्यावसायिक कौशल एवं दक्षता में वृद्धि करना। वैश्विक मंच पर भारत की पर्वतारोहण क्षमताओं का प्रचार-प्रसार करना।

यह अभियान अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोहण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति, उत्कृष्टता, सुरक्षा तथा साहसिक खेलों में पेशेवर प्रशिक्षण मानकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सम्पूर्ण राष्ट्र इस ऐतिहासिक अभियान के लिए टीम को सुरक्षित, सफल एवं गौरवपूर्ण शिखरारोहण की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

सन्नी हत्याकांड का खुलासा, दोस्त ही निकला कातिल, गिरफ्तार

हरिद्वार : विगत छः दिनों से लापता हुए सन्नी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सन्नी का हत्यारा और कोई नहीं उसका दोस्त ही निकला। किश्तों में लिए मोबाइल को लेकर शराब के नशे में हुआ विवाद सन्नी की हत्या का कारण बना। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक लक्सर कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर उर्फ कंकरखाता निवासी महिला ने 30 जनवरी को अपने पुत्र सन्नी उम्र करीब 20 वर्ष के घर से अपने दोस्तों के साथ जाने तथा वापस न लौटने के संबंध में पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करायी थी। पुलिस सन्नी की तलाश में जुटी थी। इसी बीच पुलिस को सन्नी का शव गन्ने के खेत में छह दिन बाद मिला। मृतक के परिजनों ने सन्नी की हत्या का आरोप लगाया। मामले के खुलासे में जुटी पुलिस को मृतक के दोस्त रोहित उर्फ बालू पुत्र राजेश निवासी रसूलपुर उर्फ कंकरखाता कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार उम्र 20 वर्ष की संदिग्धता मिली। रोहित से सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि आपसी विवाद में रोहित ने सन्नी की गला दबाकर हत्या की और फिर शव को गन्ने के खेत में छिपा दिया। हत्यारोपी इसके बाद गांव वालों को भ्रमित करने के लिए मृतक को ढूंढने का नाटक करता रहा।

हत्या की वजह : 27 जनवरी को मृतक सन्नी दोस्तों रोहित और राजा के साथ सुल्तानपुर गया था, जहां रोहित ने सन्नी से पहचान पत्र व कुछ नगदी लेकर किश्तों में एक मोबाइल फोन खरीदा। इसके बाद राजा को छोड़कर सन्नी व रोहित कुन्हारी ठेके से शराब की बोतल लेकर जंगल की तरफ गए। शराब पीने के बाद दोनों के बीच नये मोबाइल फोन को लेकर झगड़ा हो गया। नशे की हालत में रोहित ने सन्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और लाश को पास ही गन्ने के खेत में छिपाकर वहां से भाग गया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

पटना में पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्र की 104वीं जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

पटना : पटना स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. ललित नारायण मिश्र की 104वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर राजेश राम ने कहा कि ललित बाबू एक विकास पुरुष थे। उन्होंने स्वतंत्रता से पहले कोशी एवं मिथिला क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए। ललित बाबू के प्रयासों से मिथिला पेंटिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। उन्होंने रेल और सड़क मार्ग के विकास के लिए कोशी और मिथिलांचल क्षेत्र में कई योजनाएं कार्यान्वित कीं। कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ. मदन मोहन झा, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दूबे, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, पूर्व विधायक ऋषि मिश्रा, प्रवीण सिंह कुशवाहा, ब्रजेश प्रसाद मुनन, ब्रजेश पांडेय, असितनाथ तिवारी, स्नेहाशीष वर्धन पांडेय, रौशन कुमार सिंह, सशांत शेखर, अरविंद लाल रजक, आदि लोग शामिल थें।

न्यूज IN ब्रीफ

मिस्टर इंडिया में हासिल किया द्वितीय स्थान

संवाददाता : चक्रधरपुर के मंजीत महतो ने ईस्ट इंडिया बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता ह जो की भुवनेश्वर में आयोजित की गई थी अपने 55 वर्ग किलोग्राम में द्वितीय स्थान हासिल कर चक्रधरपुर का नाम रोशन किया है वही मंजीत महतो व्हाय नॉट फिटनेस जिम में अपनी व्यायाम करते हैं साथ ही दूसरों को भी व्यायाम करने के लिए प्रेरित करते हैं व्हाय नॉट फिटनेस जिम के ओनर रोहित राव भी युवाओं को प्रेरित करते हैं साथ ही उनके जिम में महिला एवं पुरुष वर्ग व्यायाम की व्यवस्था उत्तम की गई है। व्हाय नॉट फिटनेस जिम आज युवाओं का एक बेहतरीन स्थान बन गया है जहां सभी वर्ग के युवा अपने शरीर को सुसज्जित करने के लिए समय बिताते हैं।

टाटानगर स्टेशन पार्किंग में अवैध वसूली की रेलमंत्री से शिकायत

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन के पार्किंग ठेकेदार द्वारा निर्धारित क्षेत्र से बाहर स्टेशन के प्रवेश एवं निकास द्वार पर अनधिकृत रूप से अधिकार जमा लिया गया है तथा वहां से गुजरने या रुकने वाले वाहन चालक से अवैध ढ़ग से पार्किंग शुल्क की वसूली जाती है। जुगसलाई के व्यवसायी श्रवण कुमार देबुका ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर यह जानकारी दी और अवैध पार्किंग शुल्क वसूली पर रोक लगाने का रोक लगाने की मांग की है। व्यवसायी ने कहा कि टाटानगर दक्षिण पूर्व जोन और चक्रधरपुर मंडल का सर्वाधिक राजस्व देने वाला रेलवे स्टेशन है, जहां यात्री प्रतिदिन आते-जाते हैं। स्टेशन पार्किंग की कुव्यवस्था से लोगों को परेशानी होती है। अनाधिकृत शुल्क को लेकर आए दिन यात्रियों व नागरिकों में विवाद होता है। इससे यात्रियों को अनावश्यक मानसिक एवं आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा रेलवे की छवि प्रभावित होती है।

हवा ने फिर घटा दिया न्यूनतम तापमान

जमशेदपुर : उत्तरी भारत के कुछ जगहों पर हुई बर्फबारी के बाद चल रही हवा ने न्यूनतम तापमान में हल्की सी गिरावट ला दी है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि न्यूनतम तापमान में एक दो डिग्री की गिरावट और आ सकती है और अधिकतम तापमान की एक दो डिग्री नीचे जा सकता है। हालांकि इससे ठंड में कोई विशेष वृद्धि नहीं होगी।

चेंबर ई-कॉमर्स में 2000 से अधिक व्यापारियों का डाटा होगा दर्ज

जमशेदपुर : चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा शुरू किए जाने वाले ई-कॉमर्स डायरेक्टरी में 2000 से अधिक व्यापारी का डाटा दर्ज किया जाएगा। इस डाटा में व्यापारी का नाम, फोन नंबर, उत्पाद, उसकी कीमतें, उपलब्धता, पता आदि की जानकारी होगी। चेंबर के अध्यक्ष मानव केडिया ने बताया कि सभी व्यापारियों का डाटा एकत्र किया जा रहा है और उसे एप्लीकेशन में फीड करके लोगों को जारी दिया जाएगा ताकि वे घर बैठे यहां के व्यापारियों से सामान मंगा सकें। यह सुविधा सिर्फ जमशेदपुर ही नहीं बल्कि देश के किसी भी कोने में कोई भी व्यक्ति अपने लिए उत्पाद मंगा सकता है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली में रेलवे सिविल डिफेंस भी शामिल

जमशेदपुर : यंग इंडिया ग्रुप द्वारा सड़क सुरक्षा के तहत आयोजित बाइक रैली में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर संतोष कुमार भी टीम के साथ शामिल हुए। सड़क सुरक्षा बाइक रैली के मुख्य अतिथि हेलमेट मैन ऑफ इंडिया राघवेंद्र कुमार थे। सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर ने कहा कि, सड़क दुर्घटना से मौत की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। सुरक्षा में चार वर्ष के बच्चों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य की जा रही है। उन्होंने बताया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए बाइक रैली सेक्रेट हार्ट कॉन्वेंट स्कूल से शुरू होकर बिष्टुपुर मुख्य सड़क, पीएम मॉल आदित्यपुर महिला कॉलेज होकर किनन स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुई।

टाटा स्टील ने बैटरी नंबर-7 के पुराने कोल टावर को गिराया

जमशेदपुर : टाटा स्टील ने अपने कोक प्लांट में बैटरी नंबर-7 के पुराने कोल टावर को नियंत्रित विस्फोट के जरिए रविवार को गिरा दिया। यह काम दोपहर 12.05 बजे अत्याधुनिक और दुनिया भर में प्रचलित कंट्रोल्ड डेमोलिशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके किया गया। यह काम टाटा स्टील की पुरानी औद्योगिक आधारभूत संरचना को योजनाबद्ध, वैज्ञानिक एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार तरीके से संपन्न किया गया। इस ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया, ताकि कर्मचारियों, प्लांट के काम करने के तरीके या आस-पास की जगहों पर कोई असर नहीं पड़े। टावर गिराने की यह कार्रवाई कंट्रोल्ड डेमोलिशन एडिफिस इंजीनियरिंग इंडिया ने किया, जो एक विशेषज्ञ एजेंसी है। सबसे ऊंचे सेफ्टी स्टैंडर्ड्स को बनाए रखते हुए पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए एडवांस्ड तकनीक का इस्तेमाल कर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस काम से पहले संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों से सभी कानूनी मंजूरी और जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र हासिल किये गए थे। पूरे ऑपरेशन के दौरान पूरी संरक्षा व सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी के उपाय किए गए थे। टाटा स्टील ऑपरेशनल एक्सीलेंस, सेफ्टी और एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट ने बताया कि कंपनी अपनी आधारभूत संरचना का प्रबंधन और उसे आधुनिक बनाने में बेहतर तरीकों का इस्तेमाल करती रहेगी।

18 को सुंदरकांड पाठ और निर्धन परिवार के बेटियों का विवाह

जमशेदपुर : बागबेड़ा महानगर विकास समिति 18 फरवरी को निर्धन बेटियों का सामूहिक विवाह और संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन करेगी। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि उनसे रामेश्वर शर्मा एवं उनकी पत्नी प्रमिला शर्मा ने अपनी बेटी के विवाह में सहयोग हेतु संपर्क किया था। सुबोध झा ने दंपती को आश्वासन दिया कि समिति उनकी बेटी का विवाह कराएगी। उन्होंने बताया कि इस घटना से उन्हें प्रेरणा मिली कि कुछ और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह इसी मौके पर करना चाहिए। इसलिए सामूहिक विवाह महोत्सव का कार्यक्रम 18 फरवरी को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि यदि दोनों पक्ष की सहमति मिली तो विवाह में लड़के की तरफ से 100 लोगों और लड़की पक्ष के 100 लोगों के भोजन की व्यवस्था समिति करेगी। साथ ही लड़के और लड़की को वस्त्र आदि देकर रीति रिवाज से विदा कराएगी। यह कार्यक्रम बागबेड़ा मिथिला संस्कृति परिषद मिथिला समाज रोड नंबर 1 में कराने का निर्णय लिया गया है।

एमओ ने की जन वितरण प्रणाली दुकान की जांच

ग्रामीणों ने लगाया था राशन वितरण नहीं करने का आरोप

लाभुक मशीन पर अंगूठा लगाकर तुरंत उठाएं राशन : एमओ

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के तिलहेत पंचायत अंतर्गत एकतारा गांव में सरकार द्वारा जन वितरण प्रणाली के तहत अनाज पाने वाले सैकड़ों लाभुकों ने एकतारा गांव के मंडप के समीप इकठ्ठा होकर जमकर डीलर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर जनवरी माह का राशन गबन का आरोप लगाया था। जिसकी खबर अखबार ने प्रमुखता से उठाई थी। खबर पर संज्ञान लेते हुए एमओ अर्जुन कुमार रविवार को एकतारा गांव स्थित जन वितरण केंद्र पहुंचे व लाभुकों को बुलाया। उपस्थित राशन कार्ड लाभार्थियों ने बताया कि दुकानदार द्वारा जनवरी माह की राशन नहीं दिया गया है । बोलेने पर पीडीएस दुकानदार द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। इसपर एमओ ने डीलर को फटकार लगाते हुए अभिलंब राशन वितरण करने का निर्देश दिया। जिसके बाद एमओ की उपस्थिति में सभी लाभुकों राशन वितरण किया गया। एमओ ने हिदायद देते हुए कहा कि यदि दूसरी बार शिकायत पहुंची तो निर्लंबित किया जायेगा। जिसके बाद सभी कार्डधारियों की सहूलियत के बाद मामले को सुलझाया गया। एमओ ने पत्रकारों को बताया कि लाभुकों ने मामले को सुलझा लिया है। लाभुकों को यह जानकारी दी गई है कि अंगूठा लगाने के तुरंत बाद राशन का उठाव कर ले, यदि डीलर द्वारा अंगूठे लगाकर राशन नहीं दिया जाता है तो वैसे डीलरो पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं मैंने सरकारी नंबर भी साझा किया है। जिससे लोग मुझसे संपर्क कर सके।

6 दिन से लापता युवती का कुएं में मिला शव

चतरा: जिले के पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। नावाडीह स्थित कुमकापर की रहने वाली 21 वर्षीय काजल कुमारी, जो गणतंत्र दिवस के दिन से लापता थी, उसका शव रविवार की सुबह एक कुएं से बरामद हुआ। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। आपको बताते चलें कि पत्थलगड्डा के कुमकापर निवासी कुलेश्वर तुरी की पुत्री काजल कुमारी पिछले 26 जनवरी से लापता थी। परिवार वाले उसे हर जगह तलाश रहे थे, लेकिन रविवार की सुबह गांव के ही एक कुएं में उसका शव मिलने से हड़-कंप मच गया। सूचना मिलते ही पत्थलगड्डा पुलिस मौके पर पहुँची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। शव की स्थिति को देख ग्रामीणों ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या करार दिया है। लोगों का कहना है कि काजल की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए शव को कुएं में फेंका गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि पुलिस हर बिंदु पर बारीकी से जांच कर रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। जो भी दोषी होगा, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। फिलहाल पुलिस छानबीन में जुट गई है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

टोटो शोरूम और फल दुकान में लगी आग, लाखों की क्षति

संवाददाता

धनबाद : वासेपुर में रविवार की अलसुबह अलग-अलग जगहों पर ई- रिक्शा के शोरूम और एक फल दुकान में आग लग गई। अगलगी में 28 लाख की संपत्ति के नुकसान की बात कही जा रही है। घटना को लेकर दुकानदारों ने संदेह जाहिर की है। मौके पर पहुंची पुलिस विभिन्न सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पहली घटना रविवार की सुबह तीन बजे की है। वासेपुर जब्बार मस्जिद के सामने स्थित टोटो शोरूम से आग की लपटें उठने लगीं। राहगीरों ने इसकी सूचना शोरूम के मालिक अयाज खान को दी। सूचना पाकर वह तुरंत शोरूम पहुंचे। अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया।सूचना पाकर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और घंटों बाद आग पर मशक्कत पाया, लेकिन तब तक शोरूम में रखे 15 टोटो बुरी तरह जल गए। दुकान के बाहर रखा एक अन्य टोटो भी जल गया। अयाज खान ने बताया कि यह किसी की करतूत है। अगलगी में उन्हें 25 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। आग बुझाने के बाद दमकल की गाड़ी लौट गई। एक घंटे के उपरांत दोबारा बताया गया कि आरा मोड़ के पास केजीएन मॉर्केट के सामने फल दुकान में आग लग गई है। फल दुकानदार परवेज अंसारी ने बताया कि लगभग पूरा माल जलकर खाक हो चुका है, जिसका असर हमारे परिवार की आजीविका पर पड़ेगा। बताया कि रमजान को लेकर फल और ड्राइफ्रूट मंगाया था। सभी जमापूंजी चली गई। तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सूचना पाकर बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि अगलगी के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

किसान विरोधी है आम बजट : राज्य किसान सभा

संवाददाता

सोनाहातू : झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो एवं महासचिव सुरजीत सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए केंद्रीय बजट को घोर किसान विरोधी बजट बताया एवं कहा केंद्रीय बजट में कृषि को कोई जगह नहीं दी गई। किसानों की आय बढ़ाने की बात मात्र झूठा प्रचार किया गया है। कर्ज. माफी के लिए कोई प्रस्ताव नहीं, उर्वरक सब्सिडी में 15,679 करोड़ रुपये की कटौती किया। भारतीय जनता की आजीविका के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र–कृषि के रणनीतिक पुनरुधार के प्रति किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता दिखाने में एक बार फिर विफल रहा है। वित्त मंत्री के बजट भाषण में कृषि को ज्यादातर नजर अंदाज किया गया।छोटे और सीमांत किसानों का केवल एक बार उल्लेख हुआ, जबकि ग्रामीण मजदूरों का उल्लेख पूरी तरह गायब रहा।कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का कुल आवंटन, संशोधित अनुमान 2025-26 की तुलना में महज 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखने पर यह स्पष्ट है कि कृषि के लिए वास्तविक आवंटन में कोई ठोस वृद्धि नहीं हुई है।

आर्थिक सर्वेक्षण ने यह भी स्वीकार किया है

कि अनाज, मक्का, सोयाबीन और दलहन सहित विभिन्न फसलों की उत्पादकता दरें वैश्विक औसत से पीछे रही हैं, जिससे भारतीय उत्पादन अलाभकारी बनता जा रहा है। इसके बावजूद, कृषि अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु बजट में कोई अतिरिक्त कदम नहीं उठाया गया है। वित्त मंत्री द्वारा कृषि उत्पादकता बढ़ाने को कर्तव्य बताने के बावजूद, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग का बजटीय आवंटन 10,281 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान 2025-26) से घटाकर 9,967 करोड़ रुपये (बजट अनुमान 2026-27) कर दिया गया है।

किसानों को राहत देने की बात करें तो बजट में कोई उल्लेखनीय प्रस्ताव नहीं है। उर्वरक सब्सिडी को 1,86,460 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान 2025झ26) से घटाकर 1,70,781 करोड़ रुपये (बजट अनुमान 2026-27) कर दिया गया है। खाद्य सब्सिडी में भी पिछले वर्ष के संशोधित अनुमान की तुलना में कटौती की गई है। वीबी-ग्राम जी के तहत केंद्र का 60 प्रतिशत हिस्सा 57,415 करोड़ रुपये बनता है, जो संशोधित अनुमान 2025झ26 के तहत मनरेगा के लिए आवंटित 88,000 करोड़ रुपये से कहीं कम है। इसका अर्थ यह है कि नई योजना को पूर्व स्तर पर संचालित करने के लिए राज्यों को 38,277 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना होगा। झारखंड राज्य किसान सभा ने किसानों, ग्रामीण मजदूरों और आम जनता से आह्वान करती है कि वे 3 फरवरी 2026 को या उसके बाद किसी भी दिन गाँवों और तहसीलों में इस किसान-विरोधी,ओर मजदूर-विरोधी बजट की प्रतियाँ जलाकर झारखंड में इसका विरोध करें। किसान सभा सभी से यह भी अपील करती है कि 12 फरवरी को होने वाली आम हड़ताल को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं।

अंबेडकर पार्क में धूमधाम से मनी संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती

संवाददाता

खलारी : अंबेडकर पार्क डकरा में संत शिरोमणि रविदास जी की 649 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। संत रविदास जी की पूजा अर्चना गढ़वा मेराल से आये हुए भंते राम कुंवर बौद्ध द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा संपन्न की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची जिला अभियंता गुप्तेश्वर राम एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शंकर राम उपनिरीक्षक खलारी थाना उपस्थित थे ।

संत रविदास जी की तस्वीर पर पुष्प माल्यार्पण कर उनको नमन किया और उनके विचारों को समाज के सामने रखते हुए आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संत सर्व समाज के होते हैं, किसी जाति विशेष के नहीं होते। उनका संदेश आज भी प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर समाज के सैकड़ो लोग उपस्थित होकर संत रविदास को नमन किया, मौके पर देवपाल मुंडा, कन्हाई पासी, नारद राम, लाल मुनी दास, राम परीखा राम, रामदेव राम, मिथिलेश पासवान, दिलीप पासवान, रामजतन राम, महेंद्र राम, जगदीश गंझू, अमर लाल सतनामी, परमेश्वर राम, धनेश्वर दास, रामजीत राम, मदन राम, गौतम कुमार, दिलीप गंझू, रामसूरत यादव, रामेश्वर शर्मा, अनिल कुमार, सुरेंद्र राम, वीरेंद्र कुमार राम, कार्तिक कुमार, फुलेंद्र कुमार, अर्जुन राम, बिंदेश्वरी राम, पवन कुमार, प्रवेश राम, महेश प्रसाद, उपेंद्र कुमार आर्य, देवंतीदेवी, लक्ष्मीदेवी, माया भारती, ज्ञानती कुमारी, सूरज कुमार , मृत्युंजय कुमार, संजीत, कुमार, लाल बहादुर सिंह, राजदेवराम, टिला महतो, संजय राम, रोहित कुमार, अजय पासवान दिलीप कुमार गौतम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फूलों की व्यापक बागवानी देखनी हो तो रूंगटा गार्डन अनुपम स्थल है

ज्योति पाठक

कोल्हान प्रमंडल मुख्यालय चाईबासा में अवस्थित रूंगटा गार्डन का नाम सुनते ही हरियाली और खुशहाली बेहतर और उपयुक्त स्थल फूलों के असंख्य प्रकार और विभिन्न प्रकार की प्रजाति के अन्य फूल भी रूंगटा गार्डन की पहचान है। कोल्हान प्रमंडल चाईबासा में रूंगटा गार्डन एक मात्र ऐसा गार्डन है जो निजी रहने के बाद भी लोगों के लिए समर्पित है।इस गार्डन में प्रवेश करते ही फूल पौधे और वृक्ष जनमानस का स्वागत करते हैं। वहीं इस गार्डन में विशालकाय विमान रुपी अतिथि गृह भी काफी आलौकिक है इस विमान रुपी अतिथि गृह में प्रवेश करते ही विमान में उपलब्ध रहने वाली

सुविधा और बैठने की व्यवस्था भी मौजूद है।

रूंगटा ग्रुप का यह बागान है प्रकृति की शान

डंडा प्रखंड को खत्म करने की अनुशंसा का ग्रामीणों ने किया विरोध

संवाददाता

गढ़वा : झारखंड के गढ़वा जिले में वर्ष 2008 से संचालित प्रखंड अब बंद किया जाएगा. मुख्यमंत्री के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन ने इस प्रखंड का उद्घाटन किया था. अब उसी प्रखंड को डीसी ने बंद करने के लिए मुख्य सचिव को पत्र लिखा है, जिसके विरोध में हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया. सभी पार्टी के जनप्रतिनिधि इसमें शामिल हुए.

प्रखंड में आबादी है कम

हजारों की संख्या में हाथों में तख्ती लिए हुए लोगों ने प्रदर्शन किया. क्योंकि इनके प्रखंड की मान्यता रद्द होने वाली है. गढ़वा डीसी दिनेश यादव ने झारखंड के मुख्य सचिव को जिले के डंडा प्रखंड की मान्यता रद्द करने के लिए एक पत्र लिखा है. इसके लिए कई नियमों का हवाला दिया है. अपने लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि एक प्रखंड बनने के लिए कम से कम सवा लाख की आबादी होनी चाहिए और जिला मुख्यालय से दूरी 30 किलोमीटर होनी चाहिए. इसके अलावा पंचायतों की संख्या कम से कम दस होनी चाहिए, जबकि इस प्रखंड में केवल तीन ही पंचायत हैं.

ग्रामीणों ने जमकर भड़ास निकाली वहीं यह प्रखंड राजस्व भी नहीं देता है. इसलिए इसके लिए वित्तीय भार ज्यादा हो जा रहा है. डीसी का यह पत्र जैसे ही सोशल मीडिया पर रन किया सब ग्रामीण एकत्रित हो गए और जिला प्रशासन पर जमकर भड़ास निकाली.

आम जनता एवं जनप्रतिनिधियों ने डीसी की आलोचना करते हुए कहा कि पता नहीं ऐसा क्यों किया जा रहा है. हम किसी भी कीमत पर इस प्रखंड को बंद नहीं होने देंगे. इसके लिए हम लोगों को जो आंदोलन करना होगा वह हम करेंगे. उन्होंने कहा कि यहां करोड़ों की लागत से सरकारी भवन, सड़क सहित अन्य योजनाएं धरातल पर हैं. हम अपने प्रखंड के लिए जरूरत पड़ी तो राजभवन तक का घेराव करेंगे.